twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | मंगलवार, 08 जुलाई, 2025 | वर्ष: 12, अंक: 232, पृष्ठ: 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

ऑपरेशन सिंदूर: भारत ने अपना शौर्य दिखाया: राजनाथ सिंह

भारत का रक्षा बजट दुनिया के कुछ देशों की जीडीपी से भी बड़ा: राजनाथ

नई दिल्ली/एजेंसी

ऑपरेशन 'सिंदूर' के दौरान भारत ने स्वदेशी हथियारों के जरिए जिस तरह अपना शौर्य दिखाया है, उसके बाद हमारे घरेलू उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर और भी बढ़ गई है। आज हम रक्षा क्षेत्र में एक तरह से लगभग आत्मनिर्भरता हासिल कर चुके हैं। हमारे अधिकांश उपकरण एक समय में विदेशों से आयात किए जाते थे, वह आज हम खुद अपने देश में बना रहे हैं। हमारा रक्षा व्यय कुछ ऐसा होना चाहिए, जिसमें सिर्फ हमारा बजट न बढ़े, बल्कि उसका सही आवंटन सही समय पर और सही उद्देश्य के लिए भी हो। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को यह बातें नई दिल्ली में डीआरडीओ की ओर से आयोजित नियंत्रकों के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि दुनिया हमारे रक्षा क्षेत्र की ओर देख रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हमारे सैनिकों ने जो वीरता दिखाई है, साथ ही जिस तरह से हमने अपने घरेलू उपकरणों की क्षमताओं का प्रदर्शन किया है, उससे हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादों की मांग में वृद्धि हुई है। 2024 में विश्व सैन्य व्यय बढ़कर 2.7 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गया है, इतना बड़ा बाजार हमारा इंतजार कर रहा है। अगर आप हमारे रक्षा बजट को देखें, तो यह दुनिया के कुछ देशों की जीडीपी से भी बड़ा है। राजनाथ सिंह ने कहा कि जब लोगों की मेहनत की कमाई का एक बड़ा हिस्सा रक्षा मंत्रालय को आवंटित किया जाता है, तो हमारी जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है। रक्षा अधिग्रहण परिषद ने पहली बार जीईएम पोर्टल से पूंजी खरीद की अनुमति दी है, यह एक सराहनीय कदम है। इस विभाग की जिम्मेदारी सिर्फ कागजों पर खातों का प्रबंधन करना नहीं है, बल्कि यह हमारी सुरक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भी है। जब आप ईमानदारी से बात करते हैं, तो इसका असर हमारी सीमाओं की रक्षा करने वाले सैनिकों तक भी पहुंचता है। उन्हें लगता है कि उनके पीछे एक सिस्टम है, जो हर परिस्थिति में उनके साथ रहेगा। उन्होंने कहा कि आज रक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलाव गतिशील और अनिश्चित हैं। शांति का समय एक दिखावा है। इसके अलावा कुछ नहीं।

रक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलाव गतिशील और अनिश्चित: राजनाथ

आज रक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलाव गतिशील और अनिश्चित हैं। शांति का समय एक दिखावा है। हम सभी को शांति के समय में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन अचानक हम खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जिसमें हमें कुछ और करने की आवश्यकता महसूस होती है। अगर किसी उपकरण की अचानक आवश्यकता बढ़ जाती है, तो हम सभी को इस मुद्दे को हल करने के बारे में विचार करना चाहिए। यह सब शांति के समय में किए जाने की जरूरत है।

'शांति के समय में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर चर्चा करनी चाहिए'

हम सभी को शांति के समय में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन अचानक हम खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जिसमें हमें कुछ और करने की आवश्यकता महसूस होती है। अगर किसी उपकरण की अचानक आवश्यकता बढ़ जाती है, तो हम सभी को इस मुद्दे को हल करने के बारे में विचार करना चाहिए। यह सब शांति के समय में किए जाने की जरूरत है। वित्तीय प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए हम सभी को रक्षा अर्थशास्त्र में एक कदम और आगे बढ़ना चाहिए। इसके पीछे कारण यह है कि पूरा विश्व पुनः शस्त्रीकरण के एक नए युग की ओर बढ़ रहा है और इस क्षेत्र में कई पूंजी निवेश किए जा रहे हैं।

'रक्षा खर्च को सिर्फ खर्च न समझा जाए, निवेश माना जाए'

रक्षा मंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है कि रक्षा खर्च को सिर्फ खर्च न समझा जाए, बल्कि इसे देश के विकास का एक बड़ा निवेश माना जाए। उन्होंने कहा कि दुनिया में सैन्य खर्च 2.7 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। ऐसे में भारत में रक्षा उद्योग के लिए बड़े मौके हैं। यह क्षेत्र अब देश की अर्थव्यवस्था को भी गति दे रहा है।

रक्षा मंत्रालय के कर्मचारियों को दी सलाह

रक्षा मंत्री ने रक्षा लेखा विभाग के अधिकारियों से कहा कि वे खुद को सिर्फ 'नियंत्रक' न समझें, बल्कि 'सहायक' की भूमिका निभाएं। निजी क्षेत्र की बढ़ती भागीदारी के साथ उन्हें और अधिक लचीला और तेज बनना होगा। उन्होंने कहा कि सिर्फ बाहरी जांच पर निर्भर न रहें, बल्कि खुद की आंतरिक समीक्षा करें, तभी रक्षा मंत्रालय और देश की सुरक्षा प्रणाली और मजबूत हो सकेगी। आज रक्षा क्षेत्र में हो रहे बदलाव गतिशील और अनिश्चित हैं। शांति का समय एक दिखावा है। हम सभी को शांति के समय में रक्षा क्षेत्र को मजबूत करने पर चर्चा करनी चाहिए, लेकिन अचानक हम खुद को ऐसी स्थिति में पाते हैं, जिसमें हमें कुछ और करने की आवश्यकता महसूस होती है।

अगर किसी उपकरण की अचानक आवश्यकता बढ़ जाती है, तो हम सभी को इस मुद्दे को हल करने के बारे में विचार करना चाहिए। यह सब शांति के समय में किए जाने की जरूरत है। वित्तीय प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए हम सभी को रक्षा अर्थशास्त्र में एक कदम और आगे बढ़ना चाहिए।

देश में पहली बार लोग खुद भर सकेंगे जनगणना का फॉर्म

नई दिल्ली/एजेंसी

भारत में होने वाली अगली जनगणना को लेकर सरकार ने एक बड़ा ऐलान किया है। यह देश की पहली डिजिटल जनगणना होगी, जिसमें आम लोग खुद भी अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके लिए सरकार एक खास वेब पोर्टल लॉन्च करने जा रही है। इसके अलावा, मोबाइल ऐप के जरिए भी जनगणना का काम पूरा किया जाएगा। भारत में अब तक जनगणना के लिए घर-घर जाकर सरकारी कर्मचारी कागज पर जानकारी इकट्ठा करते थे। लेकिन अब सरकार इस प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल बनाने जा रही है। पहली बार मोबाइल ऐप और ऑनलाइन पोर्टल के जरिए लोगों की जानकारी ली जाएगी। इससे न केवल काम तेजी से होगा, बल्कि डेटा भी सुरक्षित तरीके से सीधे सरकार के केंद्रीय सर्वर पर पहुंचेगा।

लोग खुद भर सकेंगे अपनी जानकारी

सरकार ने कहा है कि नागरिक चाहें तो खुद ही अपनी जनगणना की जानकारी वेब पोर्टल पर दर्ज कर सकते हैं।

इसके लिए दो चरणों में जनगणना होगी। पहला चरण 'हाउस लिस्टिंग एंड हाउसिंग सेंसस' यानी घर और मकान की जानकारी, और दूसरा चरण 'पॉपुलेशन एनुमरेशन' यानी जनसंख्या की गिनती। दोनों चरणों में लोग खुद अपनी जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

कब होगी अगली जनगणना?

जनगणना 2026 और 2027 में दो चरणों में होगी। पहला चरण 1 अप्रैल 2026 से शुरू होगा, जिसमें मकानों की गिनती की जाएगी। दूसरा चरण 1 फरवरी 2027 से शुरू होगा, जिसमें लोगों की जनसंख्या, जाति और बाकी जरूरी जानकारियां जुटाई जाएंगी। इसके लिए 16 जून 2024 को सरकारी अधिसूचना जारी की गई है। यह आजादी के बाद भारत की 8वीं और कुल 16वीं जनगणना होगी।

34 लाख कर्मचारियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

इतने बड़े काम के लिए सरकार ने देशभर में करीब 34 लाख लोगों को नियुक्त किया है। इन कर्मचारियों को तीन स्तरों पर ट्रेनिंग दी जाएगी। पहले राष्ट्रीय ट्रेनर, फिर मास्टर ट्रेनर और आखिर में फील्ड ट्रेनर इन्हें तैयार करेंगे।

संघ ने घर-घर संपर्क की योजना बनाई

हर मंडल, हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे'

नई दिल्ली/एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में देश की सुरक्षा के साथ-साथ मणिपुर के हालात पर भी चर्चा की गई है। मणिपुर में हालात काफी बेहतर हुए हैं, हालांकि इसे पूरी तरह से स्थिति सामान्य होने में कुछ समय लग सकता है। संघ का मानना है कि देश हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण विकास हासिल कर रहा है। हालांकि, इस विकास को हर दृष्टि से सर्व समावेशी बनाने के लिए संघ काम करेगा। इसके लिए हर मंडल और हर बस्ती में हिंदू सम्मेलन आयोजित किए जाएंगे। 11360 से अधिक सामाजिक सद्भाव बैठकों को आयोजित करने का निर्णय किया गया है।

इस बार विजयादशमी को संघ के ड्रेस कोड में स्वयंसेवक पहुंचेंगे और लोगों से संपर्क स्थापित करेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील अंबेकर ने सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि समाज को सुदृढ करने के लिए घर-घर संपर्क करने की संघ की योजना है। संघ के सभी संगठनात्मक 924 जिलों में राष्ट्र और हिंदुत्व के महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा कराई जाएगी।

जस्टिस वर्मा केस: कैश कहां से आया, ये जानना जरूरी: उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़

कोच्चि/एजेंसी

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को कहा कि दिल्ली में एक जज के सरकारी आवास से भारी मात्रा में नकदी मिलने की घटना की आपराधिक जांच होनी चाहिए। उन्होंने इस घटना की तुलना 'आइड्स ऑफ मार्च' से की। आइड्स ऑफ मार्च रोमन कैलेंडर में 15 मार्च की तारीख को कहा जाता है। यह इतिहास में इसलिए प्रसिद्ध है, क्योंकि 44 ईसा पूर्व इसी तारीख पर रोम के सम्राट जूलियस सीजर की हत्या कर दी गई थी। उन्हें उनके ही भरोसेमंद साथियों ने धोखे से मार दिया था। इसलिए, आइड्स ऑफ मार्च अब धोखाधड़ी, षड़यंत्र और विश्वासघात का प्रतीक बन चुका है। धनखड़ ने कहा कि अगर वहां नकदी मिली है, तो शासन प्रणाली को तुरंत हरकत में आना चाहिए था।

सबसे पहला कदम इसे आपराधिक मामला मानना, दोषियों का पता लगाना और उन्हें न्याय के कटघरे में लाना होना चाहिए था। कोच्चि स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ एडवांस्ड लीगल स्टडीज (एनयूएएलएस) में छात्रों और संकाय को संबोधित करते हुए उप राष्ट्रपति ने कहा कि जिस तरह जज के घर नकदी मिली, वह न्यायपालिका के लिए 'आइड्स ऑफ मार्च' जैसी चेतावनी है।

इसरो प्रमुख को शुभांशु शुक्ला ने किया फोन

बंगलूरू/एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री (गगनयात्री) शुभांशु शुक्ला, जो इस समय अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर मौजूद हैं, ने इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) के अध्यक्ष वी. नारायणन को फोन कर अपनी अंतरिक्ष यात्रा के लिए उनके और पूरी इसरो टीम के प्रयासों के लिए धन्यवाद दिया। बता दें कि, शुभांशु शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत आईएसएस पहुंचे हैं।

6 जुलाई को हुई थी बातचीत

इसरो ने बताया कि यह फोन कॉल 6 जुलाई की दोपहर को हुआ था। इस बातचीत में इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने शुभांशु शुक्ला का हालचाल पूछा और यह जानना चाहा कि अंतरिक्ष स्टेशन पर कौन-कौन से वैज्ञानिक प्रयोग और गतिविधियां चल रही हैं। इसरो ने बताया कि गगनयान मिशन का उद्देश्य भारत की यह क्षमता साबित करना है कि वह अपने दम पर इंसानों को लो-अर्थ ऑर्बिट (पृथ्वी की निचली कक्षा) में भेज सकता है। शुक्ला का यह मिशन इसरो और अमेरिकी कंपनी एक्सिओम स्पेस के सहयोग से संभव हुआ है। (1) डॉ. उन्नीकृष्णन नायर, विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर (वीएसएससी) के निदेशक और मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की प्रोग्राम मैनेजमेंट काउंसिल के चेयरमैन; (2) एम. मोहन, लिक्विड प्रोपल्शन सिस्टम सेंटर (एलपीएससी) के निदेशक; (3) पद्मकुमार ई. एस., इसरो इनर्शियल सिस्टम यूनिट (आईआईएसयू) के निदेशक; (4) एम. गणेश पिल्लई, (5) इसरो के वैज्ञानिक सचिव और एलपीएससी के पूर्व निदेशक एन. वेदाचलम भी शामिल रहे। इसरो प्रमुख वी. नारायणन से बातचीत के दौरान शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष स्टेशन पर चल रहे तमाम प्रयोगों की प्रगति की जानकारी भी साझा की और बताया कि वे किन वैज्ञानिक लक्ष्यों को पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं।

मक्का तीसरी सबसे बड़ी फसल, उत्पादन को बढ़ाने के लिए कई तरह के शोध की आवश्यकता: शिवराज सिंह

नई दिल्ली/एजेंसी

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को दिल्ली में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) द्वारा आयोजित 11वें भारत मक्का समिट-2025 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर शिवराज सिंह ने मक्का उत्पादन के क्षेत्र में नवाचार एवं उत्कृष्ट योगदान देने वाले किसानों को सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने यहां कहा कि कृषि आज भी भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारी नीति है- देश की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, किसानों की आमदनी बढ़ाना, खेती को लाभ का धंधा बनाना, पोषणयुक्त आहार कैसे हमारी जनता को मिले, उसकी कोशिश करना है। शिवराज सिंह ने कहा कि मक्का में अभी कई चीजों की जरूरत है। मक्का तीसरी सबसे बड़ी क्रॉप हो गई है, पर प्रोडक्टिविटी बढ़ाना है। स्टार्च कम है, कई तरह के शोध की जरूरत है। अमेरिका, ब्राजील में कितना मक्का उत्पादन होता है। हम जेनिटिक्ली मॉडीफाइड (जीएम) बीज का इस्तेमाल नहीं करते, इसके बावजूद उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। मक्का में उत्पादन कैसे बढ़े, क्योंकि 1990 के दशक में केवल 10 मिलियन टन उत्पादन था, अब ये बढ़कर लगभग 42.3 मिलियन टन तक पहुंच गया है।

अभी जेल में रहेगी ज्योति मल्होत्रा

हिसार/एजेंसी

सोमवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति मल्होत्रा की न्यायिक हिरासत को कोर्ट ने 14 दिन और बढ़ा दिया है। ज्योति को जासूसी के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। हिसार पुलिस ने 'ट्रैवल विद जो' नामक यूट्यूब चैनल चलाने वाली ज्योति मल्होत्रा को 16 मई को गिरफ्तार किया था। हिसार की रहने वाली इस यूट्यूबर को न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया और ऑफिशियल सीक्रेट्स एक्ट तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। ज्योति के वकील कुमार मुकेश ने बताया कि उनकी न्यायिक हिरासत को 14 दिन और बढ़ा दिया गया है, और अगली सुनवाई की तारीख 21 जुलाई निर्धारित की गई है। 33 वर्षीय यूट्यूबर ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अदालत में पेश हुई। 9 जून को यहां एक अन्य अदालत ने उनकी नियमित जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

पुलिस ने जमानत का विरोध करते हुए तर्क दिया था कि इस मामले की जांच अभी जारी है। 16 मई को गिरफ्तारी के बाद, ज्योति को अदालत ने पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेजा था।

बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, वीर योद्धा थे: सीएम सैनी

चण्डीगढ़/एजेंसी

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के अवसर पर उन्हें नमन करते हुए घोषणा की, कि राज्य सरकार द्वारा जिला कुरूक्षेत्र के गांव ईशरगढ़ स्थित बाबा लक्खी शाह बावड़ी का सौंदर्यकरण करवाया जाएगा। साथ ही गावं में उनके नाम से सामुदायिक केंद्र का निर्माण और एक मूर्ति की स्थापना भी की जाएगी। इसके लिए उन्होंने अपनी ओर से 31 लाख रुपए और कैबिनेट मंत्री कृष्ण लाल पंवार व कुमारी आरती सिंह राव की तरफ से 11-11 लाख रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने घोषणा करते हुए कहा कि समाज की सहमति से प्रदेश में किसी एक चौक और एक सड़क का नाम बाबा लक्खी शाह वंजारा के नाम पर रखा जाएगा। इसके अलावा, उनके नाम से एक सामुदायिक केंद्र का निर्माण भी करवाया जाएगा। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने यह घोषणाएं आज यहां संत कबीर कुटीर पर बाबा लक्खी शाह वंजारा जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय समारोह को सम्बोधित करते हुए की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बाबा लक्खी शाह वंजारा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि वंजारा समाज की और से उन्हें आज पगढ़ी पहनाकर जो मान-सम्मान दिया गया है उसे वह कभी कम नहीं होने देंगे और सदैव इस सम्मान को बढ़ाने के लिए कार्य करते रहेंगे।

बाबा लखी शाह वंजारा ने गुरु भक्ति और साहस का अनूठा उदाहरण पेश किया

प्रदेशवासियों को बाबा लखी शाह वंजारा जयंती की हार्दिक बधाई एव शुभकामनाएं देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा लक्खी शाह वंजारा एक महान बलिदानी, एक सच्चे श्रद्धालु और एक वीर योद्धा थे, जिन्होंने अपने जीवन की आहुति देकर इतिहास में एक अमर गाथा लिखी। उन्होंने कहा कि जब हम भारत की महान संस्कृति, विविधता और बलिदानी परंपरा की बात करते हैं तो कई महान वीरों की छवि उभरती है, जिन्होंने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अपना सबकुछ न्योछावर कर दिया। बाबा लक्खी शाह वंजारा उनमें से एक थे। वे ऐसे सिक्ख सेवक थे, जिन्होंने गुरु भक्ति और साहस का ऐसा उदाहरण पेश किया, जिसे युगों-युगों तक याद किया जाता रहेगा।

वंजारा समाज संघर्षशील, मेहनती और स्वाभिमानी समाज

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिख इतिहास में बाबा लक्खी शाह वंजारा की कुर्बानियां स्वर्ण अक्षरों में लिखी गई हैं।

उन्होंने मुगलों का डटकर मुकाबला किया और धर्म की रक्षा के लिए अभूतपूर्व बलिदान दिया। भारत के इतिहास में सम्भवतः यह पहली घटना थी, जब किसी एक परिवार के 112 से अधिक सदस्यों द्वारा शहादत दी गई।

डॉ. मुखर्जी के वैचरिक संघर्ष ने भारत की एकता, अखंडता, संस्कृति और राजनीति में परिवर्तन लाने का काम किया:वैष्णव

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के मौके पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि उनके विचारों और संघर्षों ने भारत की एकता, अखंडता, संस्कृति और राजनीति में परिवर्तन लाने का काम किया है। डॉ. मुखर्जी की जयंती के मौके प आज यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई की ओर से पुष्पांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री वैष्णव के अलावा दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्रा शामिल हुए। श्री वैष्णव ने कहा कि मौजूदा समय के भारत के निर्माण में डॉ.मुखर्जी का बहुत बड़ा योगदान है। उनके विचारों से हजारों की संख्या में कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगे। उनके विचारों से भारत सरकार की नीतियों में एक ऐसा परिवर्तन आया जो जन जन के विकास के लिए माध्यम बन रहा है। उन्होंने कहा कि उनके विचारों और संघर्षों ने भारतीय एकता, अखंडता, संस्कृति और राजनीति में परिवर्तन लाने का काम किया है।

उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जिस भावना के साथ अपने विचार व्यक्त किए थे, उसी भावना को नीति में परिवर्तित करने का काम नरेन्द्र मोदी सरकार ने किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व परिवार्तन किया। उन्होंने भारतीय भाषाओं को सम्मान देने की वकालत की और उसे प्राथमिकता देने के लिए उन्होंने एक मुहिम चलायी क्योंकि उस वक्त अंग्रेजी

भाषा ही बड़ी मानी जाती थी। डॉ. मुखर्जी ने कहा था कि अगर भारतीय भाषा में युवा शिक्षा ग्रहण करेंगे तो उनकी समझने की स्थिति बेहतर होगी और आज उसी हिंदी भाषा को राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शामिल किया गया है। रेल मंत्री ने कहा कि अनुच्छे 370 को लेकर डॉ मुखर्जी के संघर्ष के कारण ही 2019 में इसे हटाया गया। श्री सचदेवा ने कहा, हमने पहले भी कहा था कि आपको राष्ट्रवाद और राष्ट्रीयता को समझना है और अगर आपको हिंदुस्तान और उसकी संस्कृति को समझना है तो आपको डॉ. मुखर्जी को पढ़ना चाहिए। उनकी यात्रा एक राष्ट्रवादी यात्रा है। कैसे उन्होंने बाल्यकाल से लेकर सबसे युवा कुलपति बनने का सफर तय किया। जब बंगाल में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहा था तो उस वक्त हिंदुओं को बचाने के लिए और मुस्लिम तुष्टिकरण के खिलाफ आवाज उठाने का काम डॉ श्यामा ने किया था।उन्होंने कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है और इस बात को उन्होंने संसद में हमेशा उठाया। कश्मीर को लेकर उनकी स्पष्ट नीति थी । उन्होंने कहा, ÷ मुझे खुशी इस बात की है कि मैं उस पार्टी का कार्यकर्ता हूं जिसने डॉ मुखर्जी के विचारों को आगे बढ़ाया और आज श्री मोदी उसे पोषित कर रहे हैं। श्रीमती गुप्ता ने कहा कि देश को आजाद कराने में लाखों स्वतंत्रता सेनानी शहीद हुए लेकिन उसके बाद अगर देश को सही ढ़ंग से चलाने के लिए जिसने बलिदान दिया तो वह डॉ. मुखर्जी थे। उन्होंने केंद्र में मंत्री पद को छोड़ दिया और जब कश्मीर की बात आयी तो एक देश में दो विधान दो संविधान नहीं चलेगा जैसी बातें कहकर एक मुहिम की शुरुआत की। उन्होंने कहा, आज कश्मीर में देश की सबसे उँची चोटी और चिनाब नदी पर जब वंदे भारत ट्रेन चलती है तो हम भारत दर्शन करते है। जो कश्मीर है वह हमारा है और जो हमारा है वह सारा का सारा है। एक संविधान पूरे देश में लागू है और एक तिरंगा पूरे देश में फहराने से रोकने वाला कोई नहीं है। आज उनके बताए रास्ते पर अनुसरण करते हुए उनके विचारों को आगे बढ़ाने का एक राजनीतिक पार्टी के रूप में हमारा यही कर्तव्य है।

सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करता है हजरत इमाम हुसैन का बलिदान : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री मोदी नरेन्द्र मोदी ने कहा कि हजरत इमाम हुसैन द्वारा दिया गया बलिदान धर्म के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट में कहा, हजरत इमाम हुसैन (ए.एस.) का बलिदान धर्म के प्रति

उनकी प्रतिबद्धता की याद दिलाता है। वह लोगों को विपरीत परिस्थितियों में भी सत्य का मार्ग अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। उल्लेखनीय है कि आज इस्लाम में आशूरा का दिन है, जो मुहर्रम माह की 10वीं तिथि को आता है। इस दिन को हज़रत इमाम हुसैन की करबला में दी गई शहादत के लिए याद किया जाता है। हजरत इमाम हुसैन इस्लाम के पैगंबर हज़रत मोहम्मद साहब के नवासे और हज़रत अली तथा बीबी फातिमा के पुत्र थे। वे सत्य, न्याय और धर्म के प्रतीक माने जाते हैं। 680 ईस्वी में करबला की लड़ाई में उन्होंने यज़ीद की अधीनता स्वीकार नहीं की और अपने परिवार सहित बलिदान दिया। उनका यह बलिदान इस्लामी इतिहास की सबसे मार्मिक घटनाओं में से एक है।

राजस्थान में टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए वित्त विभाग को दोबारा प्रस्ताव भेजने की व्यवस्था समाप्त

जयपुर । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को भ्रष्टाचार मुक्त पारदर्शी सुशासन देने के लिए कृत संकल्पित है। विकास कार्यों एवं जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक त्वरित रूप से पहुंचे, इसके लिए सरकार निरंतर कार्य कर रही हैं। इसी नीति के तहत मुख्यमंत्री के निर्देश पर विकास कार्यों में तेजी लाने तथा प्रक्रिया में लगने वाले समय को न्यूनतम करने के लिए राज्य में अब नई व्यवस्था लागू की गई है। टेंडर के बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए कार्यकारी विभाग द्वारा वित्त विभाग को फाइल भेजने की व्यवस्था अब समाप्त कर दी गई है। गत सरकार के समय शुरू हुई इस प्रक्रिया के कारण विकास कार्यों के शुरू होने में अनावश्यक विलंब हो रहा था। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा की पहल पर राज्य में यह नई व्यवस्था लागू की गई है।विकास कार्यों की घोषणा कर धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में जानबूझ कर देरी करने की नीयत से गत सरकार के समय व्यवस्था की गई कि कार्यकारी विभाग जब कार्य की

स्वीकृति के प्रस्ताव के साथ वित्त विभाग को भिजवाता था, तब वित्त विभाग इस स्वीकृति के बजाय कार्य की केवल सैद्धांतिक स्वीकृति देता था। इसके बाद प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति के लिए संबंधित कार्यकारी विभाग को प्रस्ताव पुनः वित्त विभाग को भेजना पड़ता था। इस दोहरी प्रक्रिया में 15 से 30 दिन का अतिरिक्त समय लग रहा था। इससे एक ओर विकास कार्य की लागत बढ़ रही थी, वहीं दूसरी ओर आमजन को इनका समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा था। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा इस व्यवस्था में सुधार के निर्देशानुसार प्रक्रिया में संशोधन कर इसे प्रभावी बना दिया गया है। अब कार्यकारी विभाग से प्राप्त प्रस्ताव वित्त विभाग द्वारा स्वीकृत होते ही निविदा उपरान्त कार्यादेश जारी करने के लिए कार्यकारी विभाग को ही सक्षम बना दिया गया है। कार्यकारी विभाग निविदा के उपरांत कार्यादेश राशि के आधार पर प्रशासनिक और वित्तीय स्वीकृत राशि को स्वयं ही पोर्टल पर अपलोड कर सकेंगे। अतः प्रक्रिया के दूसरे चरण में पत्रावली वित्त विभाग को प्रेषित करने की आवश्यकता नही रहेगी। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से विकास कार्यों में तेजी आएगी और निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ विकास कार्य करवाने का राज्य सरकार का संकल्प धरातल पर साकार हो सकेगा।

मोदी और नड्डा ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जयंती पर किया नमन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म-जयंती पर नमन किया है और भारत के निर्माण में उनके आदर्श और सिद्धांत को बहुमूल्य बताया है। श्री मोदी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, राष्ट्र के अमर सपूत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी जन्म-जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि। देश की आन-बान और शान की रक्षा के लिए उन्होंने अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनके आदर्श और सिद्धांत विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में बहुमूल्य हैं। वहीं, श्री नड्डा ने लिखा, अपने प्रखर राष्ट्रवादी विचारों और कार्यों से माँ भारती को गौरवान्वित करने वाले महान विचारक, करोड़ो कार्यकर्ताओं के प्रेरणापुंज, विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन भारतीय जनता पार्टी के आधार स्तम्भ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी की जन्म-जयंती पर उन्हें भावपूर्ण नमन करता हूँ। जम्मू-कश्मीर से दो विधान, दो निशान और दो प्रधान समाप्त करने के लिए श्रद्धेय डॉ. मुखर्जी जी अपने जीवन के अंतिम क्षणों तक संघर्षरत रहे। कश्मीर से धारा-370 हटाकर उनके स्वप्न को प्रधानमंत्री नरेंद्र के नेतृत्व में हमारी सरकार ने साकार किया है। उन्होंने लिखा, माँ भारती की एकता, अखंडता और सम्मान के लिए दिया गया आपका अमर बलिदान अनंतकाल तक देशवासियों को राष्ट्रसेवा और समर्पण की प्रेरणा देता रहेगा।

स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा का खामियाजा दिल्लीवालों को भुगतना पड़ा : नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जे.पी. नड्डा ने आरोप लगाया है कि स्वास्थ्य क्षेत्र में पूर्ववर्ती सरकारों की उपेक्षा का खामियाजा दिल्लीवालों को भुगतना पड़ा है।श्री नड्डा ने आज मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ यहां विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में नवनियुक्त कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए और आयुष्मान भारत पंजीकरण वैन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि पूववर्ती सरकारों ने सभी क्षेत्रों में उदासीनता दिखाई और स्वास्थ्य क्षेत्र तो पूरी तरह उपेक्षित रहा। इसी कारण दिल्ली के लोगों को भारी तकलीफों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री-आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के तहत हमने 2021 से फरवरी 2025 के बीच दिल्ली को 1700 करोड़ रुपये दिए

थे, लेकिन एक पैसा भी खर्च नहीं हुआ और अब जन कल्याण के लिए इस निधि के खर्च की जिम्मेदारी श्रीमती रेखा के कंधों पर आ गयी है।उन्होंने परोक्ष रूप से आम आदमी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि राजनीति में फैसले अपने-पराये के आधार पर नहीं होते, बल्कि इस आधार पर होते हैं कि कौन आपके हितों की रक्षा कर सकता है। सितंबर 2017 से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 40 लाख गरीब दिल्लीवासियों को पांच लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज देने को तैयार थे, लेकिन आपने लोटा ही उल्टा किया हुआ था। उन्होंने कहा, 20 फरवरी को आपने लोटा सीधा किया, और आज आपको आयुष्मान भारत मिल गया। 1997 में एक स्वास्थ्य नीति लाई गयी, जो कहती थी, पहले तुम बीमार बनो, फिर मैं तुम्हारा इलाज करुंगी। लेकिन 2014 में जब श्री मोदी प्रधानमंत्री बने, तो उनके नेतृत्व में पूरे देश में परामर्श किया गया और 2017 में हम एक नयी राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति लेकर आए। उन्होंने कहा, इसके अंतर्गत हम सुनिश्चित करेंगे कि बीमारी ही न हो, फिर अच्छे स्वास्थ्य को हम बढ़ायेंगे ताकि लोग स्वस्थ रहे ,फिर जरूरत होगी तो इलाज करेंगे और बाद में ठीक भी करेंगे। हमने स्वास्थ्य को अब समावेशी और व्यापक बना दिया है। उन्होंने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में टीबी के मामलों में करीब 17.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी है, जबकि वैश्विक स्तर पर यह गिरावट मात्र आठ प्रतिशत रही है।

चुनाव आयोग के एसआईआर नीति को महुआ मोइत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के कृष्णानगर से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा ने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। उन्होंने इसे असंवैधानिक करार देते हुए न केवल इस आदेश को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की मांग की, बल्कि यह भी आग्रह किया कि बंगाल समेत देश के अन्य किसी राज्य में इस तरह की नीति लागू न की जाए। टीएमसी सांसद का तर्क है कि जो नागरिक पहले से मतदाता सूची में पंजीकृत हैं और वर्षों से मतदान करते आ रहे हैं, उनसे एक बार फिर नागरिकता साबित करने के लिए दस्तावेज मांगना सरासर गलत है। यह न केवल उनके लोकतांत्रिक अधिकारों का उल्लंघन है, बल्कि संविधान की मूल भावना के भी खिलाफ है। याचिका में महुआ ने चुनाव आयोग के आदेश को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1), 21, 325 और 326, साथ ही जन प्रतिनिधित्व अधिनियम और मतदाता पंजीकरण नियमों के विरुद्ध बताया है। उनका कहना है कि अगर यह

निर्देश लागू रहा, तो लाखों लोग विशेषकर गरीब, वंचित और हाशिये पर बसे समुदायों से आने वाले नागरिक अपने मताधिकार से वंचित हो सकते हैं। चुनाव आयोग द्वारा 24 जून, 2025 को जारी निर्देश के अनुसार, बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में संशोधन की प्रक्रिया की जाएगी।

नेमप्लेट विवाद - बाबा रामदेव बोले सबके पूर्वज हिंदू, नाम छिपाना अनुचित

एजेंसी

हरिद्वार। कांवड़ यात्रा से पहले 'नेमप्लेट विवाद' पर योग गुरु बाबा रामदेव ने बड़ा बयान दिया है। बाबा रामदेव ने कहा है कि सभी मुसलमानों के पूर्वज हिंदू ही हैं, इसलिए नाम छिपाने में कुछ नहीं रखा है। बाबा रामदेव ने शिवभक्तों से भी खास अपील की है। बाबा रामदेव ने रविवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, 'जैसे रामदेव को हिंदू होने पर गर्व है, वैसे ही मुस्लिम समुदाय के लोगों को अपने मुस्लिम होने पर गर्व होना चाहिए। सभी मुसलमानों के पूर्वज हिंदू ही हैं। इसलिए नाम छिपाने में कुछ नहीं रखा है। नाम बताना चाहिए, अगर किसी की मर्जी होगी तो वो खाना खाने आएगा, इसलिए नाम छिपाना न मजहब की दृष्टि से उचित है, न धार्मिक स्थिति और न व्यवहारिक दृष्टि से उचित है।' उन्होंने कहा कि सबको अपने-अपने मातृवंश और मजहब पर गौरव होना चाहिए। मुस्लिम भाइयों को किसी तरह से भी अपना मजहब नहीं छिपाना चाहिए। योग गुरु रामदेव बाबा ने कांवड़ यात्रियों से भी अपील की है। उन्होंने कहा, 'कांवड़ लेकर चलने वाले लोग

भगवान शिव के सच्चे भक्त हैं। भगवान शिव पवित्रता के प्रतीक हैं और सनातन धर्म के सबसे बड़े देवताओं में से एक 'आदि योगी' हैं। इसलिए शिव भक्तों को संयम और धैर्य का परिचय देना चाहिए। अगर किसी को बीड़ी-सिगरेट, शराब पीने या भांग जैसे नशीले पदार्थों का सेवन करने की लत है तो उन्हें इस बार कांवड़ लेकर चलते समय भगवान भोलेनाथ को अपनी सारी बुराइयां अर्पित करनी चाहिए। उन्हें व्यसन मुक्त जीवन जीने का संकल्प लेना चाहिए।'

'भाषा विवाद' पर योग गुरु ने कहा, 'भाषा और अलग-अलग जाति के आधार पर हम हिंदू लड़ते हैं तो उससे हिंदू एकता, राष्ट्रीय एकता और अखंडता पर आंच आती है। इसलिए हम सबको भारतवासी होकर एकजुट रहना चाहिए। हमारी एकता में ही राष्ट्रीय एकता और अखंडता अक्षुण्य रहेगी।' उन्होंने आगे कहा, 'हिंदुत्व का जो मूल दर्शन है, हमें उसे ही समझना है। हम सब एक ही ईश्वर की संतान हैं। भाषाएं अलग हो सकती हैं, रीति-रिवाज भिन्न हो सकते हैं और जाति-वर्ग अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन अभेद दृष्टि को ही हमने जीया है और यही हिंदुत्व है। वेद भी यही कहते हैं।

पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, नाभा जेल भेजा गया

एजेंसी

मोहाली। पंजाब के पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया को कड़ी सुरक्षा के बीच नाभा जेल ले जाया गया है। रविवार को मजीठिया की रिमांड खत्म हुई, जिसके बाद कोर्ट में पेशी हुई। मोहाली कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा है।

शिरोमणि अकाली दल के नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम सिंह मजीठिया की ड्रग मनी लॉन्ड्रिंग केस में 25 जून को गिरफ्तारी हुई थी। पंजाब की विजिलेंस ब्यूरो ने मजीठिया को उनके अमृतसर स्थित घर से गिरफ्तार किया था। अगले दिन कोर्ट ने 7 दिन की रिमांड पर भेजा था, जिसे बाद में 4 दिन के लिए बढ़ाया गया। फिलहाल रिमांड खत्म होने के बाद रविवार को ही छुट्टी के दिन मोहाली कोर्ट में मजीठिया की पेशी हुई। सरकारी वकील फेरी सोफत ने न्यूज एजेंसी को बताया, कुल 15 दिन की रिमांड थी। 12 दिन हो चुके हैं, लेकिन विजिलेंस विभाग ने 3 दिन रिजर्व रखे हैं ताकि जरूरत पड़ने पर बाद में पूछताछ की जा सके। वकील ने कहा कि विजिलेंस टीमें कई अलग-अलग जगहों पर छापेमारी कर रही हैं। बरामद दस्तावेजों के बाद मजीठिया को फिर से रिमांड पर लिया जा सकता है। बिक्रम सिंह मजीठिया को कड़ी

सुरक्षा के बीच मोहाली कोर्ट लाया गया। गाड़ियों के काफिले के अलावा सड़क पर जगह-जगह पुलिस की तैनाती रही। इस दौरान मजीठिया समर्थक और अकाली दल के कार्यकर्ताओं ने कोर्ट तक पहुंचने की कोशिश की, जिन्हें रास्ते में ही रोक लिया गया। मजीठिया को 19 जुलाई तक नाभा जेल भेजा गया है। इधर, शिरोमणि अकाली दल ने पंजाब पुलिस पर पार्टी नेताओं को घर में नजरबंद रखने के आरोप लगाए हैं। अकाली दल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, बिक्रम सिंह मजीठिया की अदालत में पेशी से पहले भगवंत मान सरकार फिर घबरा गई। सुबह-सुबह पुलिस भेजकर अकाली नेताओं को नजरबंद कर दिया, कोर कमेटी के सदस्य जत्थेदार तीरथ सिंह महला को नजरबंद कर दिया। इसी तरह अकाली दल ने आरोप लगाए कि पूर्व मंत्री एवं कोर कमेटी सदस्य सिकंदर सिंह मलूका को मजीठिया की कोर्ट में होने वाली सुनवाई में जाने से रोकने के लिए पुलिस ने गांव मलूका में उनके घर पर ही नजरबंद कर दिया। उनके घर के अंदर और बाहर भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

हिमाचल में रेड अलर्ट के बीच मंडी में फिर फटा बादल, 9 जिलों में फ्लैश फ्लड की चेतावनी

एजेंसी

शिमला। हिमाचल प्रदेश में मानसून का कोहराम जारी है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा रविवार को जारी रेड अलर्ट के बीच आज सुबह से राज्य के अधिकांश हिस्सों में मूसलाधार वर्षा हो रही है। मंडी, कांगड़ा और सिरमौर जिलों में बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है, जबकि शिमला, सोलन और हमीरपुर सहित 9 जिलों में अगले 24 घंटे के लिए फ्लैश फ्लड की चेतावनी दी गई हैइन 9 जिलों चम्बा, कुल्लू, कांगड़ा, बिलासपुर, हमीरपुर, सोलन, शिमला, सिरमौर और मंडी के लोगों को प्रशासन ने अत्यधिक सतर्क रहने और अनावश्यक यात्रा से बचने की हिदायत दी है। इस बीच मंडी जिला में एक बार फिर बादल फटने की

घटना ने दहशत फैला दी। पधर उपमंडल की टिक्कन पंचायत के सिलबधानी गांव में बीती देर रात बादल फटा, जिससे स्थानीय नाले में बाढ़ आ गई और दो पुलिया बह गईं। गनीमत यह रही कि इस घटना में कोई जानमाल का नुकसान नहीं हुआ। डीएसपी पधर देवराज ने इसकी पुष्टि करते हुए आज सुबह बताया कि मौके पर प्रशासन की टीम क्षति का आकलन कर रही है। मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे में सबसे अधिक वर्षा कांगड़ा जिला के नगरोटा सुरियाँ में 102 मिमी दर्ज की गई। इसके अलावा ऊना में 62 मिमी, धर्मशाला में 61 मिमी, कटुआला और घमरूर में 40-40 मिमी, बरठीं में 38, सुजानपुर टीहरा में 36, भराड़ी में 35, नादौन में 30 और मंडी में 21 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

मौसम विभाग ने आज के लिए कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा का रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि 7 जुलाई को बहुत भारी वर्षा का ओरेंज अलर्ट जारी किया गया है। 8 से 10 जुलाई तक येलो अलर्ट और 11 व 12 जुलाई को सामान्य बारिश की संभावना जताई है।

अमरनाथ यात्राः 7,200 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था जम्मू से रवाना

एजेंसी

जम्मू। लगातार बारिश के बीच, 7,200 से अधिक तीर्थयात्रियों का एक नया जत्था रविवार को तड़के दक्षिण कश्मीर हिमालय में अमरनाथ मंदिर के लिए यहां आधार शिविर से रवाना हुआ। 3 जुलाई को शुरू हुई 38 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा ने रविवार को 50,000 का आंकड़ा पार

कर लिया अधिकारियों ने बताया कि 1,587 महिलाओं और 30 बच्चों सहित 7,208 तीर्थयात्रियों का पांचवां जत्था कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सुबह 3:35 बजे से 4:15 बजे के बीच भगवती नगर आधार शिविर से दो अलग-अलग काफिलों में रवाना हुआ। 2 जुलाई के बाद से यह तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा जत्था था, जब उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने यहां से यात्रा को हरी झंडी दिखाई थी। इसके साथ ही कुल 31,736 तीर्थयात्री जम्मू आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। अधिकारियों ने बताया कि 147 वाहनों में 3,199 तीर्थयात्रियों को लेकर पहला काफिला गंदरबल जिले में छेटे लेकिन 14 किलोमीटर लंबे बालटाल मार्ग के लिए रवाना हुआ, जिसके बाद 160 वाहनों में 4,009 तीर्थयात्रियों का दूसरा काफिला अनंतनाग जिले में 48 किलोमीटर लंबे पारंपरिक पहलगाम मार्ग से यात्रा पर निकला।

कानून व्यवस्था को लेकर सरकार पर भड़के तेजस्वी यादव, पूछा- 'जंगलराज' की बात करने वाले आज कहां हैं?

एजेंसी

पटना। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने रविवार को कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को जमकर कोसा। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि जंगलराज की बात करने वाले आज कहां हैं? उन्होंने मीडिया के बारे में भी कहा कि अगर यह घटना हमारी सरकार में होती तो मीडिया हमारी खाल नोंच लेता। पटना में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या को लेकर कहा, ÷दुख होता है। इनके परिजनों का दुख हम लोगों से देखा नहीं जा रहा है। यह बहुत ज्यादा हो गया है। जंगलराज की बात करने वाले आज कहां हैं? क्या सुनवाई हो रही है, क्या कार्रवाई हो रही है, क्या एक्शन लिया गया है? उन्होंने आगे कहा कि हम इसलिए हमेशा बुलेटिन जारी करते हैं कि बिहार में ऐसा कोई दिन नहीं है जब गोलियां नहीं चलती हैं। विरोधी दल के नेता के यहां गोलियां चलती हैं। मुख्यमंत्री आवास के बाहर गोलियां चलती हैं। इनके मंत्री के घर के बाहर गोलियां चलती हैं। विश्वेश्वरैया भवन के सामने सड़क पर अपराधी एडीजी के सामने गोली मारते हुए निकल जाता है। आज तक कोई अपराधी नहीं पकड़ा गया। मेरे घर के बाहर चार गोलियां चलीं, क्या हुआ, क्या एक्शन लिया गया, किस पर जिम्मेदारियां तय की गईं बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि आप समझ सकते हैं कि बिहार की स्थिति भयावह है। अपराधियों में डर और भय खत्म हो गया है। आपको इंतजार करना है कि कब आपको आकर कोई ठोक कर चला जाए। तेजस्वी ने आगे कहा, छह साल पहले इनके बेटे की हत्या हुई थी, हत्यारा नहीं पकड़ा गया। सीसीटीवी हर जगह रोड पर लगा है। इनके परिवार के लोग कहते हैं कि पुलिस को आने में दो घंटे लगे। प्रधानमंत्री आते हैं तो जंगलराज-जंगलराज कहते हैं, अपने दोनों उप मुख्यमंत्रियों को बुलाकर पूछें, हिसाब लीजिए कि क्यों बार-बार बिहार का अपराध क्यों बढ़ रहा है। यह पहली घटना तो नहीं है। ऐसी घटनाएं लगातार हो रही हैं। कोई ऐसा जिला नहीं है जहां गैंगरेप, हत्या, अपहरण या लूटपाट नहीं हो रहा है। ?तेजस्वी ने मीडिया पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा, माफ कीजिए, लेकिन यह भी कहना पड़ेगा कि मीडिया भी अपनी असली भूमिका नहीं निभा रही है। अगर अभी हमारी सरकार होती और ऐसी घटनाएं होती तो मीडिया ने तेजस्वी यादव की खाल नोंच ली होती। मीडिया को कम से कम सच तो छापना चाहिए।

खजूरी चौक पर जाम से निजात के लिए उच्चस्तरीय बैठक, मंत्री कपिल मिश्रा ने दिए समयबद्ध समाधान के निर्देश

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के खजूरी चौक पर लगने वाले भीषण ट्रैफिक जाम को लेकर दिल्ली सचिवालय में एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में राजधानी के इस प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन पर यातायात संचालन को सुचारु बनाने के लिए समग्र योजना पर विचार हुआ। मंत्री ने सभी संबंधित विभागों को समन्वय से काम कर समयबद्ध तरीके से समाधान प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। मंत्री ने बताया कि खजूरी चौक दिल्ली का एक प्रमुख ट्रैफिक जंक्शन है, जहां वजीराबाद, सिग्नेचर ब्रिज, भजनपुरा, शास्त्री पार्क, करावल नगर जैसे घने आबादी वाले क्षेत्रों से प्रतिदिन हजारों वाहन गुजरते हैं। यह क्षेत्र लगातार ट्रैफिक जाम की चपेट में रहता है, जिससे न केवल यात्रियों को परेशानी होती है बल्कि एंबुलेंस, दमकल और अन्य आपातकालीन सेवाओं की गति भी बाधित होती है। बैठक में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण , दिल्ली ट्रैफिक पुलिस, लोक निर्माण विभाग, दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन सहित कई प्रमुख विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य सभी विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर एक स्थायी और व्यवहारिक समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाना है।

बाबरपुर में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर, कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों पर चर्चा

नई दिल्ली। संगठन सृजन अभियान के तहत उत्तर पूर्वी दिल्ली संसदीय क्षेत्र के बाबरपुर जिला कांग्रेस कमेटी में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर की अध्यक्षता दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने की। देवेंद्र यादव ने बताया कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सहयोग से शुरु किए गए प्रशिक्षण शिविर तीन सेशन में होंगे। प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस का विजन, कांग्रेस के स्वर्णिम इतिहास और दूसरे सेशन में बूथ, मंडलम, ब्लॉक अध्यक्ष, जिला पदाधिकारियों की जिम्मेदारियों और तीसरे सेशन में चुनाव के समय पार्टी और कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियों और कार्यशैली पर विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी काजी निजामुद्दीन भी मौजूद रहे थे। देवेंद्र यादव ने कहा कि संगठन सृजन अभियान का पहला पड़ाव दिल्ली के प्रभारी काजी निजामुद्दीन के नेतृत्व में सफलता के साथ पूरा किया और दूसरे पड़ाव में उनके निर्देशानुसार संगठन सृजन अभियान के तहत सभी जिलों में कांग्रेस प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत आज से हुई है।

स्वामी विवेकानंद के विचार आज भी भारत की चेतना के प्रेरणा स्रोत : विजेंद्र गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस मौक पर उन्होंने कहा कि भारत की युवा शक्ति को आत्मनिर्भरता, आत्मविश्वास और सेवा-भाव की ओर प्रेरित करने वाले स्वामी विवेकानंद केवल एक संत नहीं, बल्कि भारत के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के अग्रदूत रहे। यह कार्यक्रम रोहिणी सेक्टर-8 स्थित विवेकानंद वरिष्ठ नागरिक फोरम द्वारा आयोजित किया गया। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन और दर्शन आज के भारत के लिए पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक हो गया है। जब हम आत्मनिर्भर भारत, युवाशक्ति के उत्थान और वैश्विक मंच पर भारत की भूमिका को लेकर सजग हैं, तब विवेकानंद के विचार हमें आत्मबल, राष्ट्रभक्ति और सार्वभौमिक मानवता के मूल्यों की ओर लौटने का संदेश देते हैंद्य गुप्ता ने कहा कि विवेकानंद का संदेश केवल धार्मिक या आध्यात्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक न्याय, शिक्षा और राष्ट्रनिर्माण के लिए एक ठोस दृष्टिकोण भी प्रदान करता है। उनकी दृष्टि में युवा केवल शारीरिक रूप से सशक्त नहीं, बल्कि नैतिक रूप से दृढ़ और मानसिक रूप से प्रबुद्ध होना चाहिए। यह आज के समाज के लिए अत्यंत आवश्यक है। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि स्वामी विवेकानंद की शिक्षाएं केवल अतीत की धरोहर नहीं, बल्कि वर्तमान और भविष्य की दिशा तय करने वाली प्रेरक शक्ति हैं।

ऑपरेशन सिंदूर की याद में आम की विशेष किस्म उगाई जाएगी :कुलजीत सिंह चहल

नई दिल्ली। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने शनिवार को विनय मार्ग पर चाणक्यपुरी, स्थित पालिका सेवा अधिकारी संस्थान (पीएसओआई) में दो दिवसीय मैंगो फेस्टिवल खास-ए-आम का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर की याद में आम की एक विशेष किस्म उगाई जाएगी। कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि एनडीएमसी द्वारा आयोजित यह आम महोत्सव एक ऐसा संगम है जहां 515 प्रकार के आम प्रदर्शित किए गए हैं। जिन्हें भारत के विभिन्न राज्यों के विभिन्न किसानों द्वारा उगाया गया है। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी ने आम महोत्सव में किसानों को एक अनूठा मंच प्रदान किया है। जहां वे अपने आमों और उनके उत्पादों का प्रदर्शन कर सकते हैं।

गरुड़ रूपी राष्ट्र का विकास महिला एवं पुरुष दोनों के योगदान से ही संभवः शांता अक्का

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्र सेविका समिति की प्रमुख संचालिका शांता अक्का ने कहा कि संस्थापिका लक्ष्मीबाई केलकर के जीवन से प्रेरणा लेते हुए हमें सीखना चाहिए कि गरुड़ रूपी राष्ट्र का विकास महिला एवं पुरुष दोनों के योगदान से ही संभव हो सकता है। शांता अक्का ने कहा कि मातृशक्ति की संगठित चेतना राष्ट्रनिर्माण का आधार है और समाज में सकारात्मक परिवर्तन एवं समाज में दिशा देने का कार्य एकमात्र महिला ही अपने नवाचार विचारों से ही कर सकती है, जोकि कमजोरी को सुदृढ़ता में परिवर्तित करने का साहस रखती है। वे राष्ट्र सेविका समिति की संस्थापिका एवं आद्य संचालिका लक्ष्मीबाई केलकर (मौसी जी) के अवतरण दिवस के उपलक्ष में आयोजित समारोह को संबोधित कर रही थीं। दिल्ली विश्वविद्यालय के रामजस कॉलेज में आयोजित इस संकल्प दिवस समारोह में शांता अक्का ने कहा कि कोई भी समाज तभी शक्ति भर सकता है जब परस्पर समन्वित, परस्पर स्वावलंबी व

परस्पर पूरक होगा। परिवार व समाज एक संकल्पित राष्ट्र है। इस मौके में मुख्यातिथि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने आयोजन को वैचारिक आत्ममंथन का अवसर कहा। उन्होंने परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास के लिए महिलाओं की भूमिका को अनिवार्य बताया। उन्होंने कहा कि यह दौर बेटियों को बढ़ाने का समय है। रेखा गुप्ता ने कहा की लक्ष्मी शब्द अपने आप में ही प्रेरक शक्ति है द्ध आज की महिला किसी भी परिस्थिति में न घबराती है और न डरती है। सेविका समिति के आदर्शों पर चलते हुए महिलाएं राष्ट्र के विकास में योगदान दे रही हैं। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. अजय कुमार भागी (अध्यक्ष एनडीटीएफ) दिल्ली विश्वविद्यालय ने कहा कि मौसी जी के जन्मदिवस को संकल्प रूप में मनाते हैं, जिसमें हम भविष्य का एजेंडा निश्चित करते हैं। उन्होंने आपसी जुड़ाव से समाज परिवर्तन की बात की। कार्यक्रम की अध्यक्षा पूजा सूर्या (डायरेक्टर सूर्या रोशनी) ने महिला की तुलना रानी लक्ष्मीबाई, मीरा बाई एवं अहिल्या बाई होलकर से की।

इस अवसर पर राष्ट्र सेविका समिति दिल्ली का इतिहास पर आधारित 'विकास गाथा' पुस्तक एवं 'मेधाविनी' वार्षिक पत्रिका का विमोचन हुआ। कार्यक्रम में प्रांत प्रचारिका विजया शर्मा, प्रांत संचालिका प्रो. (डॉ) चारू कालरा, शरण्या की अध्यक्षा अंजू आहूजा, प्रांत कार्यवाहिका सुनीता भाटिया, प्रांत सह कार्यवाहिका विदुषी, प्रो. (डॉ) निशा राणा मेधाविनी सिंधु सृजन, प्रान्त संयोजिका एवं अन्य वरिष्ठ सेविकाओं की गरिमामय उपस्थिति रही।

वक़्फ़ संशोधन कानून से हेराफेरी कर हड़पी गई प्रॉपर्टी ढूंढ़ने में होगी आसानी : जमाल सिद्दिकी

एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दिकी ने वक़्फ़ संशोधन कानून का स्वागत करते हुए दावा किया कि इससे मुसलमान समुदाय को तेजी से फ़ायदे मिलेंगे। समय के साथ वक्फ भूमि और निधि का उपयोग वास्तविक लाभ में बदलेगा और यही मोदी सरकार का इरादा है। जमाल सिद्दिकी ने जारी बयान में कहा कि वक़्फ़ संशोधन कानून शनिवार से लागू हो गया है। इस अधिनियम का उद्देश्य पारदर्शिता, जवाबदेही एवं महिलाओं-सामुदायिक प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देना है। डिजिटलीकरण से पारदर्शिता आयेगी। सभी वक्फ संपत्तियों को छह महीने के भीतर केंद्रीय पोर्टल पर पंजीकृत करना अनिवार्य है, जिससे गलत प्रविष्टियां रोकने और सूचना का केंद्रीकरण सुनिश्चित होगा। डाटाबेस होने से हेराफेरी कर हड़पी गई प्रॉपर्टी ढूंढ़ने में आसानी होगी। महिलाओं के अधिकार सुनिश्चित होंग। परिवार-वक्फ में महिला उत्तराधिकारियों का हक़ सुरक्षित होगा और वे वक्फ घोषणा से पहले अपनी हिस्सेदारी सुनिश्चित कर सकेंगी। वक्फ संपत्ति अब ऑनलाइन केंद्रीय पोर्टल पर रजिस्टर्ड होने से बेईमानी एवं गलत प्रविष्टियों में कमी आएगी और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा। उन्होंने दावा किया कि वक़्फ़ संपत्तियों को कब्ज़ा करना अब नामुमकिन होगा। डाटा बेस ऑनलाइन होने से जो लोग कई सालों तक गैरकानूनी तरीक़े से मुतवल्ली बने बैठे रहते हैं उन पर अंकुश लगेगा, वक़्फ़ कमेटी में पारदर्शिता आयेगी। मार्किट वैल्यू के हिसाब से किराया फिक्स करने में आसानी होगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने रामविलास पासवान को जयंती पर दी श्रद्धांजलि

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के संस्थापक रामविलास पासवान को उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पासवान के साथ अपनी एक पुरानी तस्वीर साझा करते हुए उन्हें याद किया। प्रधानमंत्री मोदी ने पोस्ट में लिखा, पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान जी को उनकी जयंती पर विनम्र श्रद्धांजलि। उनका संपूर्ण जीवन सामाजिक न्याय को समर्पित रहा। दलितों, पिछड़ों और वंचितों के अधिकारों के लिए उनके संघर्ष को कभी भुलाया नहीं जा सकता। रामविलास पासवान भारतीय रजनीति के उन नेताओं में गिने जाते हैं, जिन्होंने दशकों तक दलित और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों के हितों की आवाज बुलंद की। वे विभिन्न प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में केंद्रीय मंत्री रहे और अपने स्पष्ट विचारों एवं

सामाजिक न्याय के पक्ष में दृढ़ रुख के लिए विख्यात थे। प्रधानमंत्री द्वारा साझा की गई तस्वीर और संदेश को बड़ी संख्या में लोगों ने साझा किया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सोशल मीडिया पर कई नेताओं, कार्यकर्ताओं और आम नागरिकों ने भी पासवान को याद करते हुए उनके योगदान को सराहा। उल्लेखनीय है कि रामविलास पासवान का जन्म 05 जुलाई 1946 को बिहार के खगड़िया जिले में हुआ था। उन्होंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी संभाली और समानता, अधिकार और न्याय की पैरवी की। वे संसद में आठ बार निर्वाचित हुए और दलित समुदाय के लिए एक मजबूत राजनीतिक आवाज बने।

भारत बना मेडिकल टूरिज़्म और फार्मा रिसर्च का वैश्विक केंद्र : ओम बिरला

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि भारत की चिकित्सा व्यवस्था आज विश्व में अपनी गुणवत्ता, सुलभता और विश्वसनीयता के कारण नई पहचान बना रही है। वे नई दिल्ली में इनोवेटिव फिजिशियन फोरम (आईपीएफ) द्वारा आयोजित 7वें वार्षिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईपीएफ मेडिकॉन-2025 के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। बिरला ने कहा कि यह विज्ञान, तकनीक और नवाचार का युग है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ऑटोमेशन और नैनो साइंस जैसे क्षेत्रों में हो रहे तीव्र विकास ने न केवल चिकित्सा अनुसंधान बल्कि उपचार की पद्धतियों को भी अधिक सटीक, प्रभावशाली और कुशल बना दिया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि आधुनिक दौर में चिकित्सा क्षेत्र में निरंतर नवाचार और शोध को प्राथमिकता मिलनी चाहिए। उन्होंने भारत की चिकित्सा प्रणाली की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह न

केवल उच्च गुणवत्ता वाली है, बल्कि किफायती और सभी के लिए सुलभ भी है। बिरला ने कहा, ÷हमारे डॉक्टर अपनी मेहनत और विशेषज्ञता से वैश्विक स्तर पर देश का नाम रोशन कर रहे हैं, इसी का परिणाम है कि आज भारत मेडिकल टूरिज़्म का प्रमुख केंद्र बन चुका है। दुनिया के अनेक देशों से मरीज इलाज के लिए भारत का रुख कर रहे हैं।भारत के फार्मा सेक्टर की उपलब्धियों की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि अनुसंधान के प्रति प्रतिबद्धता और नवाचार की भावना ने ही भारत को फार्मास्यूटिकल और बायोमेडिकल रिसर्च के क्षेत्र में अग्रणी बना दिया है। उन्होंने वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सकों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आप सबने स्वास्थ्य और चिकित्सा के क्षेत्र में नए मानक स्थापित किए हैं। आईपीएफ मेडिकॉन-2025 सम्मेलन की सराहना करते हुए बिरला ने आशा जताई कि इन दो दिनों के विचार-विमर्श और अनुभवों के आदान-प्रदान से चिकित्सा अनुसंधान को नई दिशा और ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से आह्वान किया कि वे मिलकर एक स्वस्थ, सशक्त और निरोगी भारत के निर्माण की दिशा में कार्य करें।

एनसीआर व आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए सीएक्यूएम ने की हरियाणा-पंजाब के साथ बैठक

एजेंसी

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए पंजाब और हरियाणा के मुख्य सचिवों के साथ चंडीगढ़ में दो बैठकें कीं। इन बैठकों में दोनों राज्यों में अंतर-विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने के साथ-साथ क्षेत्र में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए प्रमुख क्षेत्रीय उपायों के कार्यान्वयन को लेकर विस्तृत चर्चा की गयी। सीएक्यूएम ने एक बयान में बताया कि हरियाणा के अधिकारियों के साथ बैठक में इस साल धान की पराली जलाने को खत्म करने की तैयारी, ईंट-भट्ठों में धान की पराली आधारित बायोमास छर्रों का उपयोग और थर्मल पावर प्लांटों द्वारा निर्धारित उत्सर्जन मानदंडों के अनुपालन जैसे महत्वपूर्ण

क्षेत्रों पर विस्तृत समीक्षा की गई। सीएक्यूएम के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में आयोग के सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। आयोग ने बताया कि राज्यों को का गया है कि दिल्ली में प्रदूषण फैलाने वाले परिवहन एवं वाणिज्यिक माल वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध लागू करें। इसके साथ सभी डीजल-संचालित ऑटो-रिक्शा को चरणबद्ध तरीके से हटाने और अंतर-शहर बसों को स्वच्छ ऊर्जा में बदलने की प्रगति पर भी विचार-विमर्श किया गया। समीक्षा बैठकों के अलावा आयोग की टीम ने 04 जुलाई को पंजाब और हरियाणा में धान की पराली के बाहरी उपयोग से संबंधित विभिन्न परियोजनाओं/प्रतिष्ठानों का दौरा किया। इसमें पेलेटाइजेशन प्लांट, कंप्रेस्ड बायो-गैस प्लांट, बायोगैस प्लांट, 2जी इथेनॉल प्लांट और औद्योगिक बॉयलर शामिल हैं। सीएक्यूएम ने दोनों राज्य सरकारों द्वारा अब तक किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए क्षेत्र में वायु गुणवत्ता में सुधार को दर्शाने वाले दृश्यमान और मापनीय आंकड़े सुनिश्चित करने के लिए विशेषकर सर्दियों के मौसम के मद्देनजर सभी संबंधित हितधारकों की निरंतर कार्रवाई और साझा प्रतिबद्धता का आग्रह किया।

बंद कमरे में एसी गैस के रिसाव से चार की मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। दक्षिणपुरी इलाके में एक कमरे के घर में जमीन पर सोए चार लोग संदेहास्पद हालात में बेहोश पाए गए। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर चारों को अस्पताल पहुंचाया जहां तीन युवकों को मृत घोषित कर दिया जबकि एक युवक की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतकों की पहचान इमरान उर्फ सलमान (30), मोहसिन (20), कपिल (18) तथा हसीब (20) के रूप में हुई है। चारों युवक एसी मैकेनिक का काम करते थे। कमरे से पुलिस को एसी यूनिट तथा एसी गैस के सिलेंडर मिले हैं। चारों युवकों के शरीर अकड़े हुए पाए जाने से प्रारंभिक जांच में एसी गैस के रिसाव को हादसे की वजह बताया जा रहा है। माना जा रहा है गैस रिसाव से दम घुटने की वजह से चारों की मौत हो गई। हालांकि पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मौत की असल वजह पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही सामने आएगी। साउथ डीसीपी अंकित चौहान ने बताया कि सुबह पुलिस को जीशान नामक युवक ने फोन कर सूचना दी कि दक्षिणपुरी में किराए पर रहने वाला उसका ममेरा भाई फोन नहीं उठा रहा है। दरवाजा भी अंदर से बंद है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंच किसी तरह दरवाजा खोलकर अंदर प्रवेश किया। प्रथम तल पर स्थित एक कमरे के घर में चार युवक बेहोशी हालत में जमीन पर मिले। उन्हें पहले अंबेडकर अस्पताल ले जाया गया वहां से सफदरजंग अस्पताल व बाद में एम्स ट्रॉमा सेंटर लाया गया। जांच के दौरान तीन युवकों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

बढ़ती त्रासदियों के बीच तत्काल सार्वजनिक सुरक्षा सुधारों का आह्वान

एजेंसी

नई दिल्ली। जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के मुख्यालय में आयोजित मासिक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए जमाअत के उपाध्यक्ष प्रो. सलीम इंजीनियर ने हाल की त्रासदियों पर गहरा दुख और गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में विनाशकारी केमिकल फैक्ट्री विस्फोट, पुरी में रथयात्रा के दौरान हुई हृदय विदारक भगदड़ और अहमदाबाद में हुई दुखद हवाई जहाज दुर्घटना ने हमें झकझोर कर रख दिया है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रो. सलीम इंजीनियर ने कहा कि कुछ ही हफ्तों के भीतर अहमदाबाद, पुरी और तेलंगाना में तीन दुखद घटनाएं घटीं। यह सार्वजनिक सुरक्षा जोखिमों के एक बड़े पैटर्न की ओर इशारा करते हैं जिस पर तत्काल विचार करने की आवश्यकता है। हालांकि, हम राज्य और केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा मुआवजा और जांच सहित त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करते हैं, लेकिन मुआवजा और जांच प्रतिक्रिया महत्वपूर्ण होते हुए भी उन गहरी संरचनात्मक और संस्थागत कमजोरियों को दूर नहीं करते हैं, जो ऐसी त्रासदियों की पुनरावृत्ति को संभव बनाती हैं। 30 जून, 2025 को तेलंगाना में सिगाची इंडस्ट्रीज की फार्मास्युटिकल इकाई में हुए भीषण विस्फोट में 40 श्रमिकों की मौत हो गई

और कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चलता है कि इसमें संभवतः संरचनात्मक विफलताएं, पुरानी मशीनरी और गंभीर सुरक्षा खामियां हैं। एक दिन पहले ही पुरी के गुंडिचा मंदिर के पास भगदड़ में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 50 से अधिक घायल हो गए थे, जिससे प्रमुख धार्मिक आयोजनों में भीड़ प्रबंधन की गंभीर कमी उजागर हुई थी। अहमदाबाद में हाल ही में हुई हवाई दुर्घटना ने नागरिक विमानन की निगरानी और आपातकालीन तैयारियों की कमजोरियों को दर्शाया है। जमाअत के उपाध्यक्ष ने कहा कि पिछले छह महीनों में भारत ने औद्योगिक आग, नागरिक बुनियादी ढांचे के ढहने और सार्वजनिक समारोहों में भगदड़ देखी है, जिससे कार्यस्थलों, त्योहारों और रोजमर्रा के वातावरण में सुरक्षा के बारे में जनता की चिंताएं बढ़ रही हैं। रचनात्मक सहभागिता और राष्ट्रीय हित की भावना के मद्देनज़र जमाअत-ए-इस्लामी हिंद कुछ ठोस सुझाव प्रस्तुत किया है।

दिल्ली जल बोर्ड अब खुद कर सकेगा परियोजनाओं को स्वीकृत

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने जल बोर्ड को पहली बार निर्णय लेने और काम पूरा करने की ताकत दी है। जल बोर्ड को अब करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के लिए कैबिनेट की स्वीकृति का इंतजार नहीं करना होगा। यह जानकारी सीएओ दिल्ली ने एक्स पर साझा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब दिल्ली जल बोर्ड यमुना की सफाई, नालों के उपचार और पेयजल व्यवस्था से जुड़ी तमाम योजनाएं स्वयं स्वीकृत करेगा और जमीन पर उतारेगा। उसे करोड़ों रुपये की परियोजनाओं के लिए बोर्ड को कैबिनेट की स्वीकृति का इंतजार नहीं करना होगा। उन्होंने कहा कि दिल्ली जल बोर्ड के वित्तीय अधिकार बढ़ाने का यह निर्णय केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि शासन को तेज, उत्तरदायी और परिणामोन्मुखी बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है। इससे हर स्तर पर निर्णय लेने की क्षमता बढ़ेगी, कार्यों में देरी घटेगी और व्यवस्था अधिक पारदर्शी व जवाबदेह बनेगी। उन्होंने कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन को दिल्ली में जमीन पर उतारने की एक मजबूत शुरुआत है। दिल्ली के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली जल बोर्ड को स्वायत्तता और वित्तीय अधिकार देने का निर्णय प्रशासनिक नहीं, बल्कि जनसेवा की दिशा में ऐतिहासिक सुधार है। अब यमुना की सफाई, नालों के उपचार और जल आपूर्ति की योजनाएं बिना देरी जमीन पर उतरेंगी।

डीयू की अकादमिक परिषद की बैठक में अहम फैसले, 'सिख शहादत' पर नया कोर्स, रेडियो जॉकिंग भी स्किल कोर्स में शामिल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की अकादमिक परिषद (एसी) की 1023वीं बैठक कुलपति प्रो. योगेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित हुई, जिसमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। बैठक की शुरुआत डीयू के पूर्व प्रति-कुलपति एवं कार्यवाहक कुलपति स्वर्गीय प्रो. पीसी जोशी को श्रद्धांजलि देकर की गई और उनके योगदान को याद करते हुए शोक प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक में जीरो ऑवर के दौरान एक सदस्य द्वारा उठाए गए पेपर चेकिंग भुगतान की देरी के मुद्दे पर कुलपति ने सभी विभागों को लंबित बिल शीघ्र सबमिट करने और परीक्षा शाखा व वित्त विभाग को तुरंत भुगतान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को समय पर भुगतान मिलना चाहिए। बैठक में डीयू के कॉलेजों में भारतीय इतिहास में सिख शहादत (1500-1765) विषय पर नया सामान्य वैकल्पिक कोर्स पढ़ाने की स्वीकृति दी गई। यह कोर्स डीयू के स्वतंत्रता एवं विभाजन अध्ययन केंद्र (सीआईपीएस) द्वारा प्रस्तुत किया गया है। कुलपति ने इस कोर्स को ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण बताते हुए इसकी सराहना की इसके अतिरिक्त, स्किल एन्हांसमेंट कोर्स

(एसईसी) के तहत रेडियो जॉकिंग सहित आठ नए पाठ्यक्रमों को भी स्वीकृति दी गई। विद्यार्थियों को इसमें आवाज़ प्रशिक्षण, स्टूडियो संचालन और लाइव शो होस्टिंग जैसी व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। अकादमिक परिषद की बैठक में यूजी पाठ्यक्रमों के चौथे वर्ष में शोध प्रबंध, शैक्षणिक परियोजना या उद्यमिता में से किसी एक को चुनने का विकल्प देने पर सहमति बनी। इसके लिए पर्यवेक्षण और मूल्यांकन संबंधी मसौदा दिशा-निर्देश भी पारित किए गए। बैठक में निर्णय लिया गया कि शैक्षणिक सत्र 2016-17 में दाखिला लेने वाले वे छात्र जो किसी कारणवश निर्धारित अवधि में डिग्री पूरी नहीं कर सके, उन्हें बैकलॉग पूरा करने के लिए दो वर्ष की अतिरिक्त अवधि दी जा सकती है। यह निर्णय सीबीसीएस से यूजीसीएफ में हुए पाठ्यक्रम परिवर्तन के कारण उत्पन्न समस्याओं को देखते हुए लिया गया है।

दिल्ली विश्वविद्यालय में स्नातक प्रवेश 2025-26 के लिए अलॉटमेंट-कम-एडमिशन शेड्यूल जारी

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 के लिए स्नातक पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए कॉमन सीट अलोकेशन सिस्टम (सीएसएएस -यूजी) के द्वितीय चरण की तिथि घोषित कर दी है। विश्वविद्यालय के अनुसार, सीयूईटी-यूजी 2025 के परिणाम घोषित हो चुके हैं और अब मंगलवार, 8 जुलाई से सीएसएएस का फेज-2 शुरू होगा।दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलसचिव ने बताया कि सीएसएएस फेज-1 और फेज-2 दोनों 14 जुलाई रात 11:59 बजे तक खुले रहेंगे। इस दौरान पहले चरण में सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन करा चुके छात्र अपने पसंदीदा कोर्स और कॉलेज की प्राथमिकताएं चुन सकते हैं। जिन छात्रों ने अभी तक रजिस्ट्रेशन नहीं किया है, वे भी इस अवधि में सीएसएएस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। प्राथमिकताओं को अंतिम समय तक ऑटो-लॉक कर दिया जाएगा। विश्वविद्यालय ने छात्रों को एक बार की सुधार सुविधा भी प्रदान की है। छह से 11 जुलाई 2025 रात 11:59 बजे तक छात्र अपने आवेदन फॉर्म में सुधार कर सकते हैं। यह सुविधा केवल उन्हीं छात्रों को उपलब्ध है जिन्होंने सीएसएएस फेज-1 पूरा कर लिया है। फॉर्म एक बार सबमिट करने के बाद दोबारा नहीं खोलेगा, अतः सावधानीपूर्वक बदलाव करें। दाखिला प्रक्रिया की शुरुआत 6 जुलाई से होगी, जब पहले चरण में पंजीकृत उम्मीदवारों के लिए आवेदन पत्र में सुधार (संशोधन) करने की सुविधा दी जाएगी। यह सुधार विंडो 11 जुलाई की रात 11:59 बजे तक खुली रहेगी। इसके बाद, आठ से 14 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, उम्मीदवारों को अपनी पसंद के पाठ्यक्रम और कॉलेज चुनने होंगे। 14 जुलाई को रात 11:59 बजे सभी उम्मीदवारों की भरी गई प्राथमिकताएं स्वतः लॉक हो जाएंगी। 15 जुलाई को शाम 5 बजे, विश्वविद्यालय द्वारा अनुमानित रैंक (सिम्युलेटेड रैंक) जारी की जाएगी, ताकि विद्यार्थी अपने चुने गए विकल्पों की स्थिति को समझ सकें। उसी दिन से 16 जुलाई की रात 11:59 बजे तक, उम्मीदवार अपनी प्राथमिकताओं को बदल सकते हैं। 19 जुलाई को शाम 5 बजे पहली प्रवेश सूची जारी होगी। इसके बाद, उम्मीदवारों को 21 जुलाई की शाम 4:59 बजे तक अपनी सीट को स्वीकार करना होगा।

संपादक की कलम से

एकता चिरायु हो!

महाराष्ट्र की धरती पर आज मुंबई नगरी में मराठी एकता का भव्य विजयोत्सव मनाया जा रहा है। इन दिनों मराठी जीवन में विजय और उल्लास के क्षण कम ही आते हैं। जब से सूरत ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन दिल्ली में आया है, तब से महाराष्ट्र पर चारों ओर से प्रहार हो रहे हैं। मौजूदा भाजपाई दिल्लीश्वर महाराष्ट्र और मराठी लोगों की घेराबंदी करने और उन्हें लाचार और आत्मसमर्पण करने का एक भी मौका नहीं छोड़ रहे हैं। ऐसे हालात में, मराठी लोगों ने दिल्लीश्वर द्वारा थोपी गई त्रिभाषाई अनिवार्यता को पलटकर मराठी के तौर पर विजय का यलगार किया है। तीसरी भाषा को मराठी भाषा की पूंछ के रूप में जोड़ने का प्रयास सभी की एकता से विफल हो गया। इसके लिए महाराष्ट्र के सभी राजनीतिक दल और नेता एक साथ आए। उस एकता में तेज, शक्ति और विचार से जो प्रखर होकर चमक उठे, वे हैं ठाकरे बंधु! उद्धव और राज ठाकरे ५ जुलाई को त्रिभाषाई अनिवार्यता विरोधी मोर्चे में अपने सैनिकों के साथ एकजुट हो रहे हैं और इस डर से कि उस दिन मुंबई की सड़कों पर अस्सल मराठी राडा होगा, सरकार ने घोषणा कर दी कि वह महाराष्ट्र पर थोपे गए त्रिभाषा सूत्र की अनिवार्यता को रद्द कर रही है। मराठी लोगों के एकजुट होने से क्या चमत्कार होते हैं, इसका यह एक बेहतरीन नमूना है। इस अवसर पर वर्ली के भव्य हॉल में मराठीजनों की जीत का जश्न मनाया जा रहा है। सच तो यह है कि कोई भी बड़ा हॉल ऐसे मराठी विजयी समारोहों को समायोजित करने में सक्षम नहीं होगा। इसके लिए मराठी लोगों के असली शिवतीर्थ की आवश्यकता थी। चाहे लड़ाई संयुक्त महाराष्ट्र के लिए हो, महाराष्ट्र की स्थापना के लिए हो या शिवसेना की स्थापना के लिए, मराठीजनों ने हर विजय समारोह शिवतीर्थ में मनाया और अपनी विराट शक्ति का दर्शन कराया, लेकिन मौजूदा मिंधे-फडणवीस सरकार मराठी विजय उत्सव में सहयोग करने के लिए तैयार नहीं है इसलिए आज का विजय समारोह शिवतीर्थ में नहीं हो सकता। बावजूद, आज की विजय रैली से मराठी लोगों का उत्साह फूट पड़ा है। ऐसा लगता है जैसे शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे स्वर्ग से अपने मराठीजनों से चलो वर्ली की अपील कर रहे हैं। आज मराठीजनों की स्थिति दुविधा में फंसे बाघ की तरह हो गई है। मराठी जनता भले ही महाराष्ट्र राज्य में है, लेकिन वास्तविकता यह है कि उसका कोई (त्राता-पिता) रक्षक झ्र पिता नहीं है। सतह पर तो सब कुछ हमारा ही लगता है, लेकिन अगर हम थोड़ा गहराई से देखें तो पाते हैं कि हमारे अधिकारों और न्याय की परवाह करनेवाला कोई नहीं है। महाराष्ट्र और मराठी माणुष के साथ अन्याय, अपमान या अवमानना का कोई भी सवाल राष्ट्रीय संदर्भ के बहाने तुरंत दबा दिया जाता है। देश को आजादी मिलने के बाद से महाराष्ट्र की एक भी मांग शहादत और रक्ताभिषेक के बिना पूरी नहीं हुई है। हुक्मरान कोई भी हों, उनकी नीति मुंबई को अंधाधुंध लूटने की रही है। केंद्रीय दिल्ली वालों की महाराष्ट्र के प्रति ईर्ष्या एक सर्वविदित ऐतिहासिक तथ्य है। महाराष्ट्र से बड़े-बड़े नेता दिल्ली गए, लेकिन एक चिंतामणराव देशमुख को छोड़कर कोई भी इस नफरत और घृणा के डंक को तोड़ या कुंद नहीं कर सका। जब हिंदी अनिवार्यता का हथौड़ा महाराष्ट्र पर पड़ा तो दिल्ली में कितने केंद्रीय मंत्रियों ने इस अन्याय के खिलाफ आवाज उठाई? कितने लोगों ने विरोध किया? इसका जवाब शून्य ही मानना होगा। माहौल गरमा गया, असहनीय हो गया, अहान-पुकार के बावजूद कोई मदद के लिए आगे नहीं आया तो कहीं न कहीं विस्फोट होना ही था। साक्षात ब्रह्मा भी इसे टाल नहीं सकते थे और उसमें शिवाजी महाराज का महाराष्ट्र और मराठी लोग स्वभाव से ही विद्रोही हैं। जब तक यह विद्रोही तेवर और मराठी का अभिमान हमारी रगों में बह रहा है, तब तक किसी में महाराष्ट्र की ओर टेढ़ी नजर से देखने की हिम्मत नहीं है। मराठी भाषा और पहचान को खतरा हमारे अपने लोगों से है। मराठी के दुश्मन और हत्यारे हमारे ही घरों में हैं। शाह सेना के नेता एकनाथ शिंदे (मिंधे) ने पुणे में एक कार्यक्रम में अमित शाह के सामने जय गुजरात का नारा लगाकर मराठी बाने की ऐसी की तैसी कर डाली। यह महाराष्ट्र के लिए खतरे की घंटी है। अब तक किसी भी मंत्री ने महाराष्ट्र में रहते हुए खुलेआम जय गुजरात का नारा नहीं दिया था। वो इस शाह सेनावाले ने दिया। केडिया नामक एक व्यापारी महाराष्ट्र को चुनौती देते हुए कहता है, मैं ३० साल से महाराष्ट्र में रह रहा हूं, लेकिन मैं मराठी नहीं बोलूंगा। इन लोगों में यह हिम्मत बढ़ी है, क्योंकि अमित शाह ने मराठी लोगों की मजबूत एकता को तोड़ दिया है। मराठी एकता को तोड़कर उन्होंने शिंदे जैसे लोगों को कठपुतली बना दिया है। पैसे की ताकत से लोगों को (स्वाभिमान सहित) खरीदने का गुजराती फॉमूर्ला महाराष्ट्र में जहर की तरह पैष्ठल चुका है। अगर इसे रोकना है तो मराठी लोगों को आज हर हर महादेव, जय भवानी, जय शिवाजी का नारा लगाते हुए वर्ली की ओर कूच करना होगा। महाराष्ट्र मरा नहीं है और मराठी एकता नहीं टूटेगी, यह संदेश देने वाला आज का दिन मराठी अस्मिता के लिए ऐतिहासिक हो!

कमजोर होती पंरपरागत विवाह बंधन की गांठों से उठते सवाल

विजय केसरी

आज की बदली सामाजिक परिस्थिति में परंपरागत विवाह बंधन की गांठे कमजोर पड़ती नजर आ रही हैं । शादियां लंबे समय तक टिक नहीं पा रही हैं। छोटी-छोटी बातों को लेकर पति-पत्नी के बीच तकरारें बढ़ती चली जा रही हैं। इस कारण दोनों परिवारों के बीच वही वैमनस्यता बढ़ता चला जा रहा है । अंततः बात तलाक तक आ जाती है। समाज के हर वर्ग लोगों को इस विषय पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है । आखिर परंपरागत शादियां टिक क्यों नहीं पा रही हैं ? इसका कारण क्या है ? इस समस्या का समाधान किया है ? उस दिशा में पहल करने की जरूरत है। आज बहुत सारे युवक - युवतियों अपने माता-पिता के झंझटों को देखकर शादी करना ही नहीं चाहते हैं। विवाह बंधन एक पारिवारिक और सामाजिक परंपरा है। विवाह बंधन के बाद ही एक परिवार का निर्माण होता है । इसके साथ ही आगे की पीढ़ी के आगमन का रास्ता प्रशस्त होता है। भारत के पारंपरिक विवाह का लंबे समय तक नहीं टिकना और नई पीढ़ी को उसके प्रति आस्था की कमी होना, यह बेहद चिंता की बात है। हम सब पद प्रतिष्ठा, शोहरत, धन, वैभव कितना भी अर्जित क्यों न कर लें, समाज और परिवार के बीच ही अपनी खुशियां बांटते हैं। अगर परिवार में पति-पत्नी के बीच प्रेम न रहे, तो ऐसी खुशियों का क्या मतलब रह जाता है ? अगर एक परिवार के पति - पत्नी के बीच जब झंझट होते हैं, तो इससे उनके बच्चें , माता-पिता, रिश्तेदार मित्र एवं समाज के अन्य लोग भी प्रभावित हो जाते हैं। अर्थात पति - पत्नी हमारे भारतीय समाज के आधार स्तंभ होते हैं। पति - पत्नी के बीच जितना प्रेम - सौहार्द रहेगा, परिवार उतना ही खुश रहेगा ऋ ऐसे परिवारों से ही एक सुदृढ़ समाज का निर्माण होता है।

आज के युवक - युवतियां जिस तेजी के साथ शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं, उसी तेजी के साथ विवाह बंधन की गांठे कमजोर पड़ती जा रही हैं । यह बेहद चिंता की बात है। आज कल के युवक - युवतियां आधुनिकता के मामले में अपनी पुरानी पीढ़ी से बहुत आगे निकल गई है । वहीं दूसरी ओर एकल परिवारों ने घर के बड़े बुजुर्गो का जीना दुश्वार कर दिया है । आधुनिक समाज में अंतरजातीय विवाह और अंतर धार्मिक विवाह ने जगह जरूर बना लिया है, लेकिन पाश्चात्य देशों में जिस तेजी के साथ अंतजार्तीय और अंतर धार्मिक विवाह का प्रचार प्रसार हुआ है, उस अनुपात में भारत बहुत पीछे हैं । आज से 50-60 साल पूर्व भारत में प्रचलित पारंपरिक विवाह बंधन लंबे समय तक चलता था। अर्थात भारत के संबंध में यह बात प्रचलित थी कि पिता के घर से बेटी की विदाई होती है। और अर्थी उसके ससुराल से उठती है। तब पति-पत्नी विपरीत परिस्थितियों में भी मिलजुल कर रहा करते थे।

लेकिन आज परिस्थितियां बिल्कुल बदल गई हैं। खासकर महानगरों में पढ़े कई युवक - युवतियां शादी तो अपने परिवार की मर्जी के बिना कर लेते हैं। लेकिन ऐसी शादियां ज्यादा दिनों तक चल नहीं पाती है।पति-पत्नी दोनों में खटपट हो जाती है, और बात तलाक तक पहुंच जाती है। देश भर के विभिन्न न्यायालयों में तलाक से संबंधित लाखों की संख्या में मुकदमे विराधीन है । इससे प्रतीत होता है कि भारत में परंपरागत शादियां, जो आदर्श शादियां कही जाती जाती हैं, उस परंपरा में कमी आई है। यह एक गंभीर मसला है । इस पर देशभर के लोगों को गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। पति पत्नी दोनों किसी भी परिवार का आधार स्तंभ होते हैं। अगर पति-पत्नी के रिश्तों में थोड़ी भी दरार आ जाए तो यह परिवार के लिए बड़ा खतरा माना जाता

है। विदेशों में लंबे समय तक अधिकांश शादियां चल नहीं नहीं पाती हैं । विदेशों में पति-पत्नी दोनों में अगर मन मुटाव हो गया तो वे जल्द ही तलाक ले लेते हैं । और वे दोनों नए ढंग से जीवन की शुरूआत कर देते हैं । यह एक पाश्चात्य भौतिकतावादी आधुनिक परंपरा है। यह किसी भी मायने में भारत के लिए उचित नहीं है।

भारत में आदर्श शादी विवाह की परंपरा हमारे ऋषि मुनियों ने प्रारंभ किया था । कालांतर में धीरे-धीरे कई परिवर्तनों के साथ परंपरागत शादियां अपने ही समुदाय की जातियों में होती चली आ रही हैं । इस परंपरा से समाज में एक मयार्दा बनी रहती है। आज भी 70 प्रतिशत से अधिक शादियां अपने ही जाति समुदाय में होती चली आ रही है। ऐसी परंपरागत शादियों में तलाक की घटनाएं सबसे कम है। लेकिन समय के साथ हमारा समाज जाति बंधन से मुक्त होता चला जा रहा है । जाति बंधन मुक्त शादियों का कदापि यह मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए कि यह नई परंपरा उचित नहीं है। समय के साथ हर परंपराएं और मान्यताएं बदलती रहती हैं।

आज भी भारतवर्ष में अधिकांश लड़कियां विवाह कर अपने पिता के घर से पति के घर जाती हैं और पति के घर से ही उसकी अर्थी निकलती है। यही एक आदर्श व्यवस्था है। इस व्यवस्था को हम सबों को मिलकर और मजबूत करने की जरूरत है। आज महानगरों में पाश्चात्य संस्कृति का प्रादुर्भाव बढ़ता चला जा रहा है । इस पाश्चात्य संस्कृति के तहत युवक युवतियां लीव रिलेशनशिप के तहत बिना विवाह के साथ साथ रह रहे है। यह लीव रिलेशनशिप भारत में हजारों वर्षों से प्रतिष्ठित आदर्श विवाह परंपरा के विपरीत है। इस पाश्चात्य संस्कृति के विरुद्ध जन जागरण की जरूरत है। जब विदेशों में लोग यह सुनते हैं कि भारत में शादियां पति-पत्नी दोनों के वृद्ध हो जाने के बावजूद चलती रहती हैं। उन्हें यह सुनकर और जानकर का आश्चर्य होता है।

पिछले दिनों हजारीबाग में एक आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संस्था सागर भक्ति संगम के तत्वाधान में आयोजित एक सम्मान समारोह में हजारीबाग नगर के जाने-माने कवि गोपी कृष्ण सहाय - सेवा निवृत शिक्षिका उषा सहाय को आदर्श दम्पति पत्ति सम्मान प्रदान कर अलंकृत किया गया है। इस अवसर पर गोपी कृष्ण सहाय और उषा को अंग वस्त्र, प्रशस्ति - पत्र, प्रतीक चिन्ह और पुष्प गुच्छ प्रदान कर सम्मानित किया।यह सम्मान उन्हें सफलतापूर्वक वैवाहिक जीवन के तिरेपन वर्ष पूरा करने, पारिवारिक दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करने, सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने, हिंदी कविता लेखन और शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया । गोपी कृष्ण सहाय और उषा सहाय हमारे समाज के लिए एक आदर्श दंपति है। आज की बदली सामाजिक परिस्थिति में उनके लंबे वैवाहिक जीवन से सकल समाज को सीख लेनी चाहिए। ?मैं पूर्व में ही जिक्र कर चुका हूं कि विवाह बंधन परिवार का आधार स्तंभ होता है। किसी भी परिवार की शुरूआत विवाह बंधन से ही होती है। यह एक आदर्श सामाजिक परंपरा है। इस आदर्श परंपरा का निर्वाह गोपी कृष्ण सहाय और उषा सहाय ने बहुत ही अच्छे ढंग से निर्वाह किया है। यह अपने आप में एक रिकॉर्ड है।

भारत वर्ष में विवाह परंपरा की शुरूआत हमारे ऋषि मुनियों ने की थी। भारत का यह वैवाहिक बंधन संस्कार विश्व भर में अपनी विशिष्टता के लिए जाना जाता है । इस देश में कहीं न कहीं पति-पत्नी अपने वैवाहिक जीवन के पच्चास वर्ष पूरा कर जीवन में आगे बढ़ते रहते हैं । ऐसे दंपतियों से वैवाहिक जीवन के बिताए पच्चास वर्षों से बहुत कुछ सीखने का अवसर प्राप्त होता रहता। गोपी कृष्ण सहाय और उषा सहाय के दांपत्य जीवन से समाज को सीख लेनी चाहिए । उषा सहाय और गोपी कृष्ण सहाय जैसे आदर्श जोड़ो से ही वैवाहिक जीवन की आदर्श परंपरा मजबूत होती है। विवाह के तिरेपन वर्ष पूरे हो जाने पर भी इन दोनों के बीच उतना ही प्रेम और उमंग विद्यमान है । यह अपने आप में बड़ी बात है ?।

गोपी कृष्ण सहाय और उषा सहाय से सकल समाज लोगों को सफल दाम्पत्य जीवन की सीख लेनी चाहिए । ऐसे दंपतियों से जब भी मिलते हैं, मिलकर मन खुश हो जाता है। ऐसे दंपति बहुत ही अच्छे ढंग से अपने पारिवारिक और सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए बच्चों को अच्छी तालीम दे रहे है। इसलिए जरूरी यह है कि भारत वर्ष के आदर्श विवाह परंपरा में कमी नहीं आए, समाज के हर वर्ग के लोगों को ध्यान देने की जरूरत है। भारत वर्ष के रीति रिवाज, रहन-सहन ,भाषा, बोलचाल और विविध संस्कृति के तहत परंपरागत विवाह बंधन ही सर्वश्रेष्ठ है।

प्रदूषण के नाम पर पुराने वाहनों की बलि के मायने?

दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए पुरानी गाड़ियों पर सरकार सख्त हो गई है. 15 साल पुरानी पेट्रोल और 10 साल पुरानी डीजल गाड़ियों को सड़कों से हटाया जा रहा है. ऐसे वाहनों का दाना-पानी बंद हो चुका है. कहने का मतलब है कि उन्हें पेट्रोल-डीजल नहीं दिया जा रहा है. पेट्रोल पंप पर खास कैमरे लगाए गए हैं, जो नंबर प्लेट से ही गाड़ी की उम्र पता कर लेते हैं. वहां पुलिस भी मुस्तैद है जो निर्धारित उम्र से पुरानी गाड़ियों को सीधे कब्रिस्तान यानी स्क्रैप के लिए ले जाती है. फिर भले ही मालिक इसके लिए तैयार हो या नहीं. इसके अलावा, दूसरे राज्यों से ऐसे वाहन राष्ट्रीय राजधानी में प्रवेश न कर पाएं इसकी भी व्यवस्था की गई है. कुल मिलाकर प्रदूषण के नाम पर पुराने वाहनों की बलि ली जा रही है. यहां बलि शब्द का इस्तेमाल इसलिए जायज है, क्योंकि आम ग्राहकों के हित का सोचे बिना सरकार ने यह कदम उठाया है. शुरूआत से ही इस मुद्दे पर लोगों की भावनाओं और हितों की अनदेखी की जाती रही है.

सरकार ने फरमान जारी कर दिया है कि 15 और 10 पुराने वाहन दिल्ली में नहीं

दौड़ने चाहिए. आमतौर पर जब कोई गाड़ी खरीदता है, तो यह सोचकर नहीं खरीदता है कि उसे चार या पांच साल में डिस्पोज कर देगा. कई लोगों के लिए कार उनकी भावनाओं से जुड़ी होती है. रजिस्ट्रेशन की मियाद खत्म होने के बाद उसे रिन्यू करने का नियम इसलिए ही बनाया गया है कि लोग 10 या 15 साल बाद भी अपने वाहनों को रख सकें. आमतौर पर जब कोई नया नियम या कानून बनता है, तो उसे भविष्य या वर्तमान से लागू किया जाता है, अतीत से नहीं. लेकिन गाड़ियों के मामले में सरकार अतीत में चली गई. क्या ये जायज है? यह कहना गलत नहीं होगा कि इस मामले में नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (ठऋळ) और सुप्रीम कोर्ट ने भी निराश किया है.

सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में दिल्ली में डीजल वाहनों की उम्र 10 साल और पेट्रोल की 15 साल निर्धारित की थी. इससे पहले, 2014 में ठऋळ ने दिल्ली में पुराने वाहनों के सड़कों पर दौड़ने और पब्लिक एरिया में पार्क करने पर रोक लगाई थी. तब से अब तक दिल्ली सरकार सोती रही और अब उसे सख्ती की याद आई है. दिल्ली के संबंध में ठऋळ के नियम हैं कि पुराने पेट्रोल-डीजल वाहनों को सड़क पर दौड़ाया या पब्लिक एरिया में पार्क नहीं किया जा सकता. इतना ही नहीं, यदि पुलिस या परिवहन विभाग ऐसे वाहनों को जब्त करता है, तो उन्हें कबाड़ के तौर पर नष्ट किया जा सकता है. इस तरह के नियम और आदेश उस व्यक्ति के दिलों-दिमाग पर क्या असर डालते हैं, जिसने एक-एक पाई जोड़कर गाड़ी खरीदी, सरकारी तंत्र नहीं समझ सकता.

बताया जा रहा है कि सरकार ने 15 साल से पुरानी गाड़ियों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया है, क्या इस सूरत में सरकार उनके द्वारा भरे गए टैक्स को वापस करेगी? अभी इस संबंध में भी लोग गफलत में हैं कि जो वाहन अपनी उम्र की आखिरी दहलीज पर हैं, यानी जिन्हें 15 या 10 साल पूरे होने वाले हैं, क्या उन्हें फ्रीली दौड़ने दिया जाएगा? इस बारे में सरकार को स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए. हालांकि, स्पष्टीकरण से वाहन मालिकों को कोई राहत तो नहीं मिलेगी, लेकिन इतना जरूर साफ हो जाएगा कि सरकार की मंशा क्या है.

बात अगर प्रदूषण की है, तो फोकस केवल उसी पर होना चाहिए. वाहन की उम्र पर नहीं. सड़क पर दौड़ने वाले कई नए वाहन ऐसे मिल जाएंगे, जो प्रदूषण की निर्धारित सीमा को मुंह चिढ़ा रहे हैं, फिर पुराने वाहनों पर रोक से समस्या कैसे हल होगी? होना यह चाहिए कि जो वाहन प्रदूषण नहीं कर रहे हैं, भले नए हों या पुराने उन्हें सड़कों पर दौड़ने की अनुमति मिले. गाड़ी प्रदूषण करेगी या नहीं, यह इस बात पर निर्भर करता है कि उसे किस तरह से मेंटेन किया जाता है. कई लोगों की पुरानी गाड़ी भी नई को मात देती है, ऐसे में उन्हें बेवजह सरकारी व्यवस्था का शिकार होना पड़ रहा है. यह मामला फिलहाल अदालत में है और याचिकाकर्ता उसे आम वाहन मालिक का दर्द समझाने की कोशिश कर रहे हैं.

(लेखक विश्लेषक एवं चिंतक हैं)

जानलेवा अकेलापन

विश्व स्वास्थ्य संगठन के कमीशन ऑन सोशल कनेक्शन की नयी रिपोर्ट, फ्रॉम लोनलीनेस टू सोशल कनेक्शन में यह खुलासा बेहद चौंकाने वाला है कि अकेलेपन से हर छठा इंसान जूझ रहा है. इससे दुनिया में हर घंटे सौ लोगों की जान जा रही है. सालाना 8.7 लाख लोगों की मौत का कारण अकेलापन है. अकेलेपन से दिल की बीमारी, दिल का दौरा, मधुमेह, अवसाद और असमय मौत का खतरा तेजी से बढ़ रहा है. डब्ल्यूएचओ के प्रमुख डॉक्टर ने मौजूदा दौर की विडंबना पर ठीक ही टिप्पणी की है कि जब तकनीकों की मदद से एक-दूसरे से जुड़ाव के अनगिनत साधन हैं, तब लोग पहले से ज्यादा अकेले और अलग-थलग महसूस कर रहे हैं. अकेलेपन के सबसे ज्यादा शिकार युवा और निम्न व मध्यम आय वाले देशों में रहने वाले लोग हैं.

अफ्रीका में सर्वाधिक 24.3 फीसदी, तो भारत समेत दक्षिण एशिया में 22 फीसदी लोग अकेलेपन के शिकार हैं. यूरोप में सबसे कम 10.1 प्रतिशत लोग अकेलेपन से जूझ रहे हैं. रिपोर्ट में रेखांकित किया गया है कि जिन देशों में आपसी विश्वास तेजी से कम हो रहा है, उनमें भारत भी है. अकेलेपन के कई कारण बताये गये हैं, जैसे खराब स्वास्थ्य, कम आय व शिक्षा, अकेले रहना, कमजोर सामुदायिक सुविधाएं, कमजोर नीतियां और डिजिटल तकनीकों का असर. साथ में यह चेतावनी भी है कि ज्यादा स्क्रीन टाइम और नकारात्मक ऑनलाइन व्यवहार युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर बुरा असर डाल सकते हैं. जो लोग और समूह भेदभाव के कारण अकेलेपन के सबसे ज्यादा शिकार होते हैं, वे हैं- दिव्यांग, शरणार्थी या प्रवासी, समलैंगिक, ट्रांसजेंडर, आदिवासी और जातीय अल्पसंख्यक. अकेलापन सिर्फ व्यक्ति को ही नहीं, परिवारों और समाजों को भी प्रभावित कर रहा है.

इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में हो रहा भारी नुकसान आगे भी जारी रहेगा. इस समस्या से उबरने के लिए रोडमैप भी पेश किया गया है।

हिमालयी राज्यों में मानसून से तबाही

डॉ अनिल प्रकाश जोशी

पिछले चार-पांच वर्षों से हिमाचल प्रदेश मानसून या बिना मानसून के फ्लैश फ्लड से बुरी तरह प्रभावित रहा है. वर्ष 2023 में हिमाचल प्रदेश ने भयंकर फ्लैश फ्लड के चलते बड़ा नुकसान उठाया था. पिछले वर्ष भी राज्य के कुछ हिस्सों में यही हालात बने, और इस वर्ष भी करीब 10 जिलों को खतरे की स्थिति में माना गया है. पहाड़ों ने पहले कभी येलो या रेड अलर्ट नहीं देखे थे, न ही समझे थे, लेकिन अब वहां रेड अलर्ट की स्थिति आम हो गयी है. यह हमारे भविष्य के लिए एक चेतावनी है, जिस पर अभी से विचार करना होगा. हिमाचल के कई हिस्सों में इस बार के फ्लैश फ्लड ने जो तबाही मचायी, वह बेहद चिंताजनक है. इसके अलावा, भूस्खलन की भी घटनाएं हुई हैं. जिससे अनेक लोगों की जान चली गयी, बहुतेरे लोग घायल हुए, जबकि कुछ लोग लापता हैं. राज्य की अनेक सड़कें पूरी तरह बंद हो गयीं, जिनमें सिरमौर, मंडी और कुल्लू जिला सबसे अधिक प्रभावित हुआ.

बादल फटने से सबसे अधिक तबाही मंडी जिले में हुई है. भारी बारिश के बाद ब्यास नदी का पानी उफान पर है. नदी का पानी मंडी शहर में घुस गया. बिजली व्यवस्था

भी बुरी तरह चरमरा गयी. अनेक ट्रांसफार्मर बंद हो गये और बीस नदियों को खतरे की श्रेणी में माना गया. पशुधन का भी नुकसान हुआ है. घरों और बहुमंजिला इमारतों के अलावा कई जगह गौशालाओं को नुकसान पहुंचा है. पुल और पनबिजली परियोजना को नुकसान पहुंचने के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग भी बाधित है. शासन-प्रशासन की हालत इतनी बिगड़ गयी कि सबकी नींद उड़ी हुई है. अधिकारियों ने बढ़ते जलस्तर पर भी चिंता जतायी है. एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने प्रभावित क्षेत्रों में टीमें तैनात की हैं. हिमाचल में बादल फटने की घटनाओं ने 2023 की त्रासदी की याद दिला दी है. उस साल मानसून की आपदा से राज्य में पांच सौ से ज्यादा लोग मारे गये थे, अनेक लोग लापता हो गये थे और नुकसान करीब 10,000 करोड़ का आंका गया था. हिमाचल के मुख्यमंत्री के मुताबिक, इस बार बादल फटने से शुरूआती तौर पर पांच सौ करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है. यही स्थिति उत्तराखंड में भी देखी जा सकती है, हालांकि वहां हिमाचल की तुलना में नुकसान थोड़ा कम रहा है. फिर भी उत्तराखंड के नौ जिलों को येलो अलर्ट में रखा गया है. प्रशासन ने यात्रा और पर्यटकों पर खास निगरानी रखी हुई है और लगातार चेतावनी जारी की है.

हिमाचल प्रदेश ने 55 साल पहले राज्य के रूप में अपनी यात्रा शुरू की और इसे बेहतर बनाने के लिए बहुत कुछ किया, लेकिन मैदानी विकास मॉडल वहां भी लागू कर दिया गया।

नतीजा यह हुआ कि आज एक ही मानसून के फ्लैश फ्लड से सड़कें ध्वस्त हो गयीं. कई बहुमंजिला इमारतें ढहनी शुरू हो चुकी हैं. राज्य के शिमला, कुल्लू, मनाली जैसे क्षेत्रों में बहुमंजिला इमारतों की भरमार है।

विमान सौदे में रिश्वत देने के दोषी नेपाली मूल के दीपक शर्मा को तीन साल की सजा

काठमांडू। अमेरिका की एक अदालत ने नेपाल एयरलाइंस को दो एयरबस ए330 जेट विमानों की आपूर्ति करने वाली विमानन सेवा फर्म एएआर कॉर्प के मुख्य कार्यकारी अधिकारी नेपाली मूल के नागरिक दीपक शर्मा को तीन साल की सजा सुनाई है। अदालत ने शर्मा को विमान आपूर्ति के दौरान मापदंड बदलने और कीमत बदलने के लिए 60 लाख अमेरिकी डॉलर रिश्वत के तौर पर देने के मामले में दोषी ठहराया था। वाशिंगटन के जिला न्यायाधीश अशोक मेहता ने दीपक शर्मा को तीन साल की सजा सुनाते हुए पहले छह महीने एक आवासीय सामुदायिक केंद्र में बिताने, 200 घंटे की सामुदायिक सेवा पूरी करने और फिर संयुक्त राज्य अमेरिका से स्व-निर्वासन करने का आदेश दिया है। इसके अलावा शर्मा को 150,000 डॉलर का जुर्माना देने और 130,835 डॉलर की उसकी संपत्ति जब्त करने का भी आदेश दिया गया है। हालांकि शर्मा को अधिकतम 60 महीने की जेल की सजा की मांग की थी, लेकिन संघीय अभियोजकों ने जांच में उनके सहयोग का हवाला देते हुए 40 महीने की कम सजा का अनुरोध किया था। शर्मा ने अदालत के समक्ष अपने कार्यों के लिए पश्चाताप भी जताया था।

नेपाल आने वाले भारतीय यात्रियों को अब 5000 अमेरिकी डॉलर तक साथ लाने की छूट

काठमांडू। नेपाल सरकार ने नए बजट में भारत से आने वाले नागरिकों को अपने साथ 5000 अमेरिकी डॉलर या इसके बराबर की भारतीय रकम साथ लाने की छूट दी है। इसके अलावा कस्टम को जानकारी देकर 5000 डॉलर की रकम अतिरिक्त भी साथ लायी जा सकेगी। नेपाल के वित्त मंत्री विष्णु पौडेल ने बजट पर आयोजित एक कार्यक्रम में बताया कि भारतीय नागरिकों को अपने साथ सिर्फ 25 हजार रुपये लाने की छूट थी। इसके कारण उनको काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। सरकार ने इसकी सीमा को बढ़ाते हुए 4,27,500 रुपये (5000 अमेरिकी डॉलर) कर दिया है। उन्होंने बताया कि कस्टम को बिना बताए भारत से नेपाल आने वाले पर्यटक, श्रद्धालु या अन्य प्रकार के यात्री अब अपने साथ 5000 अमेरिकी डॉलर तक नकद ला सकते हैं। इतने रकम तक उनसे कोई पूछताछ नहीं की जाएगी। पौडेल ने बताया कि नेपाल सरकार चाहती है कि भारतीय नागरिक दिल खोल कर यहां खर्च कर सकें इसलिए यह व्यवस्था की गई है। हालांकि इसमें व्यावहारिक कठिनाई भी है कि नेपाल में 100 से ऊपर के भारतीय नोट कानूनी रूप से वैध नहीं है।

रूस उस पर लगाये गये प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम : ट्रम्प

मॉस्को/ वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने स्वीकार किया है कि रूस का नेतृत्व उसके खिलाफ लगाये गये पश्चिमी प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम रहा है। श्री ट्रम्प ने कहा कि हाल ही में रूस के हमले के मद्देनजर राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को पता है कि उनके खिलाफ अतिरिक्त प्रतिबंध आने वाले हैं। श्री ट्रम्प ने विमान 'एयर फोर्स वन' में संवाददाताओं से कहा, वह (रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन) प्रतिबंधों से निपटने में सक्षम रहे हैं। श्री ट्रम्प ने कहा कि श्री पुतिन के साथ हाल ही में हुई उनकी बातचीत में रूस के खिलाफ प्रतिबंधों का विषय विस्तार से उठाया गया था। उन्होंने कहा, हम प्रतिबंधों के बारे में बहुत बात करते हैं। हां, मैं कहूंगा कि वह इससे रोमांचित नहीं हैंज वह यह समझते हैं कि यह आ सकता है और आप जानते हैं, वह एक पेशेवर हैं। यह बयान रूस द्वारा यूक्रेन पर रात में ड्रोन और मिसाइलों के हमलों के बीच आया है, जो युद्ध में रूस के सबसे बड़े हवाई हमलों में से एक है। इस दौरान उसने यूक्रेन की राजधानी कीव पर सीधे 550 ड्रोन और 11 मिसाइलें दागीं। यूक्रेन की वायु रक्षा प्रणालियां हालांकि उनमें से अधिकांश को रोकने में सक्षम रहीं, लेकिन 72 से अधिक प्रक्षेपास्त्र प्रणालियों को धता बताकर यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को निशाना बनाने में कामयाब रहे।

'आतंकवाद के मामले में जांच में मलेशिया के साथ सहयोग को तैयार बंगलादेश'

ढाका। बंगलादेश कथित तौर पर आतंकवाद के आरोपों में मलेशिया में बंगलादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी की जांच में वहां के अधिकारियों के साथ सहयोग करने को तैयार है। बंगलादेश के विदेश मंत्रालय ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि कुआलालंपुर में बंगलादेश के उच्चायोग ने संबंधित मलेशियाई अधिकारियों के साथ बातचीत की है, जिन्होंने पिछले सप्ताह एक चरमपंथी आंदोलन में कथित संलिप्तता के लिए कुछ बंगलादेशी नागरिकों को गिरफ्तार करने के बारे में जानकारी दी थी। मंत्रालय ने कहा कि बंगलादेश का उच्चायोग प्रवासी बंगलादेशियों को जहां भी जरूरत होगी, आवश्यक सहायता प्रदान करेगा। बयान में कहा गया, बंगलादेश एक बार फिर आतंकवाद, हिंसक उग्रवाद के सभी रूपों के खिलाफ अपने दृढ़ रुख को दोहराता है और वह इस संबंध में मलेशियाई अधिकारियों को पूर्ण सहयोग देने के लिए तैयार है। बयान के अनुसार, मलेशियाई अदालतों में पांच लोगों के खिलाफ औपचारिक आरोप पत्र दायर किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि बाकी लोग आगे की जांच या निर्वासन की प्रक्रिया में हैं।

लेबनान के राष्ट्रपति औन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से हमले रोकने के लिए इजरायल पर दबाव डालने की अपील की

एजेंसी

बेरूत। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से लेबनान पर हमलों को रोकने के लिए इजरायल पर दबाव डालने की अपील की है और कहा है कि निरंतर 'हमले' राष्ट्रीय संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा है। श्री औन ने कहा, हम अपने भागीदारों और सहयोगियों से इजरायल पर हमलों को रोकने और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव 1701 के वास्ते पूरी तरह से प्रतिबद्ध होने के लिए दबाव बढ़ाने की अपील करते हैं। उन्होंने यह बात ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी के साथ एक बैठक के दौरान कही। वार्ता के दौरान श्री औन ने कहा कि लेबनानी पर इजरायल का निरंतर हमला सीमा पर शांति और स्थिरता बहाल करने के प्रयासों में बाधा डालता है। इस दौरान उन्होंने लेबनानी कैदियों को रिहा करने से इजरायल के इनकार की भी निंदा की। उन्होंने कहा, ये उकसावे लेबनान को अपनी

संप्रभुता का पूरी तरह से दावा करने, अपने नागरिकों की रक्षा करने और निर्णयों को लागू करने से रोकते हैं। उन्होंने ब्रिटेन और अन्य वैश्विक शक्तियों से आग्रह किया कि वे मांग करें कि इजरायल लेबनानी क्षेत्र से हट जाए और औपचारिक गारंटी प्रदान करे कि भविष्य के हमले बंद हो जाएँगे।

मसूद अजहर पाकिस्तान में मौजूद नहीं : बिलावल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के प्रमुख बिलावल भुट्टो जरदारी ने दावा किया है कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र की ओर से घोषित आतंकवादी मसूद अजहर के ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। श्री भुट्टो ने कहा कि भारत अगर पाकिस्तान में अजहर की मौजूदगी के बारे में जानकारी देता है तो पाकिस्तान उसे गिरफ्तार करने में 'खुशी' महसूस करेगा। उन्होंने अल जजीरा न्यूज चैनल को दिये साक्षात्कार में कहा कि हाफिज सईद पाकिस्तान में एक स्वतंत्र व्यक्ति नहीं है और मसूद अजहर अफगानिस्तान में हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के बीच प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता, रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर जोर

एजेंसी

ब्यूनस आयर्स। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माईली के बीच ब्यूनस आयर्स में प्रतिनिधिमंडल स्तर की व्यापक वार्ता हुई। यह बातचीत प्रधानमंत्री मोदी के पांच देशों के दौरे के तीसरे चरण में अर्जेंटीना आगमन के अवसर पर हुई, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करना है। ब्यूनस आयर्स स्थित राष्ट्रपति भवन कैसा रोसादा में हुई इस वार्ता में रक्षा, कृषि, खनन, तेल व गैस, नवीकरणीय ऊर्जा, विज्ञान व प्रौद्योगिकी, व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य और सांस्कृतिक सहयोग जैसे कई अहम क्षेत्रों पर चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों को समग्र रणनीतिक साझेदारी में बदलने के लिए ठोस कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई। राष्ट्रपति माईली ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए भारत को एक वैश्विक शक्ति और लोकतांत्रिक मित्र बताया। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने अर्जेंटीना को लैटिन अमेरिका में भारत का महत्वपूर्ण भागीदार बताया और कहा कि दोनों देशों के बीच भरोसे और समान मूल्यों पर आधारित संबंध और गहरे होंगे।भारत और अर्जेंटीना के बीच लिथियम खनन और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को विशेष प्राथमिकता दी गई, क्योंकि अर्जेंटीना लिथियम संसाधनों से समृद्ध है और भारत इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा दे रहा है। इसके अलावा कृषि उत्पादों और खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी दोनों देशों के बीच व्यापार को गति देने पर सहमति बनी।दोनों नेताओं ने वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की आवाज को मजबूत करने की आवश्यकता पर बल दिया और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर एक-दूसरे के समर्थन को दोहराया।

एलन मस्क ने दिया डोनाल्ड ट्रंप को झटका, नए राजनीतिक दल का किया ऐलान

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उद्योगपति एलन मस्क के बिगड़ते रिश्ते अब एक नया मोड़ ले रहे हैं। टेस्ला के सीईओ मस्क ने एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन का ऐलान कर दिया है।

मस्क ने इसे 'अमेरिका पार्टी' का नाम दिया है, जिसका उद्देश्य देश के 'वन-पार्टी सिस्टम' को खत्म करना है। टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ ने 'एक्स' के जरिए यह घोषणा की है। अपने संदेश में, मस्क ने दोनों प्रमुख दलों पर अनियंत्रित सरकारी खर्च और भ्रष्टाचार में योगदान देने का आरोप लगाया। उनके मुताबिक, देश अब लोकतंत्र के रूप में नहीं, बल्कि बर्बादी और स्वार्थ से संचालित एक एकीकृत राजनीतिक मशीन के रूप में काम करता है। मस्क ने लिखा, 'अमेरिका द्विदलीय बर्बादी और भ्रष्टाचार से दिवालिया हो रहा है। यह लोकतंत्र नहीं है। यह छद्म रूप से वन-पार्टी सिस्टम है। अमेरिका पार्टी आपको आपकी

स्वतंत्रता वापस दिलाने के लिए बनाई गई है।' यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व सहयोगी मस्क के लिए एक नाटकीय राजनीतिक बदलाव को दर्शाता है, जो पहले ट्रंप का समर्थन करने वाले सबसे प्रमुख डोनर्स में से एक थे। ट्रंप ने स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान 'वन बिग ब्यूटीफुल बिल' पर हस्ताक्षर किए थे, जो अब एक कानून बन गया है। एलन मस्क पहले ही चेतावनी दे चुके थे कि अगर यह बिल पास होता है, तो अमेरिका में एक नई पार्टी का गठन होगा।नई पार्टी का ऐलान मस्क और ट्रंप के बीच हाई-प्रोफाइल विवाद के बाद हुआ है, जो कभी राजनीतिक सहयोगी रह चुके हैं। सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) के प्रमुख के रूप में मस्क के संक्षिप्त कार्यकाल के दौरान तनाव बढ़ गया था, जहां उन्होंने खर्च में कटौती और फेडरल वर्कफोर्स पॉलिसी में कमी के लिए दबाव डाला, जो ट्रंप के भारी घरेलू बजट से टकराव दर्शाती थी। तब से मस्क ट्रंप के राजकोषीय एजेंडे के मुखर आलोचक रहे हैं।

इजरायल से संघर्ष के बाद ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखे

एजेंसी

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई इसराइल के साथ हुए ईरान के 12 दिनों के संघर्ष के बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से सामने आए। 5 जुलाई को मुहर्रम के मातम जुलूस में उन्हें देखा गया। तेहरान में आशूरा की पूर्व संध्या पर मुहर्रम के मातम जुलूस में खामनेई पहुंचे। खामेनेई 13 जून को इजराइली हमलों के बाद से सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे थे। तेहरान टाइम्स के मुताबिक ईरान के सर्वोच्च नेता खामेनेई 5 जुलाई को मुहर्रम के मातम जुलूस में शामिल हुए। मुहर्रम की 10वीं तारीख को आशूरा कहा जाता है।तेहरान में आशूरा की पूर्व संध्या पर मुहर्रम के मातम जुलूस में खामेनेई सार्वजनिक रूप से दिखे। ईरान और इजराइल के बीच 12 दिनों तक सैन्य संघर्ष चला जो 24 जून को खत्म हुआ। इस संघर्ष के दौरान खामनेई सार्वजनिक रूप से नहीं दिखे थे। कड़ी सुरक्षा के बीच वे अज्ञात स्थान पर थे। इस

संघर्ष के दौरान खामेनेई की सुरक्षा को लेकर खासी चिंता थी क्योंकि इसराइल के हमले में कई शीर्ष ईरानी कमांडर और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई थी। इसराइल के साथ इस संघर्ष के दौरान खामेनेई के कुछ वीडियो संदेश आए। उनके किसी बंकर में छिपे होने का अनुमान लगाया जा रहा था। उल्लेखनीय है कि इजराइल ने 13 जून से ईरान पर लगातार हमले किए।खास तौर पर 22 जून को इजराइल के समर्थन में अमेरिका के उतरने के बाद स्थितियां काफी बिगड़ गई। अमेरिका ने ईरान में 3 परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फहान पर हमला किया। इस हमले में ईरान के परमाणु ठिकाने, रक्षा प्रणालियों, सेना के बड़े अधिकारियों और परमाणु वैज्ञानिकों को निशाना बनाया गया। इसके जवाब में ईरान ने इजराइल पर 550 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं।

नेपाल पुलिस के लिए चीनी कंपनी से खरीदे जायेंगे 159 करोड़ रूपये के हथियार

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल पुलिस और सशस्त्र प्रहरी बल (एपीएफ) के लिए चीन से हथियार खरीदने के लिए सरकार ने 159 करोड़ रूपये बजट की व्यवस्था की है। सरकार ने तीन साल पहले इसी चीनी कंपनी से हथियार खरीद प्रक्रिया को रोक दिया था, अब फिर उसी सौदे को आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे कई तरह के सवाल खड़े हो गए हैं। हाल ही में नेपाल की संसद से पारित बजट में नेपाल के दोनों पुलिस संगठनों के लिए हथियार खरीदने के लिए 159 करोड़ रूपये के बजट की व्यवस्था की गई है। इस बजट से तीन वर्ष पहले ही हांगकांग स्थित एक चीनी कंपनी से हथियार की खरीद प्रक्रिया को रोक दिया गया था, अब फिर उसी कंपनी से हथियार खरीदने की प्रक्रिया शुरू किए जाने की बात सामने आई है। गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक पुलिस संगठनों की तरफ से गैर घातक हथियार

सामग्री खरीद की सूची गृह मंत्रालय को सौंपी गई थी। इनमें दंगा नियंत्रण करने के लिए रायट कन्ट्रोल गियर, टियर गैस, ब्लैंक फायर, रबड़ बुलेट, मल्टी गैस गन, वाटर कैनन, दमकल, गोताखोर का उपकरण, रबरबोट/मोटरबोट सामग्री थी। अब गृह मंत्रालय ने हांगकांग की चीनी कंपनी से घातक हथियार खरीदने की नई सूची तैयार की है। इनमें नेपाल पुलिस के लिए 1 हजार 9 एमएम का पिस्टल, 1550 शॉटगन, 2 लाख राउंड शॉटगन कार्टिज, 3 लाख राउंड शॉटगन रबड़ बुलेट, 24 हजार सेल टियर गैस और 10 लाख 20 हजार राउंड बारूद वाली गोली खरीदने की पुरानी सूची के मुताबिक प्रक्रिया आगे बढ़ाई गई है। इसी तरह सशस्त्र प्रहरी बल के लिए 2300 पिस्टल और 2000 शॉटगन खरीद की प्रक्रिया भी आगे बढ़ाई गई है। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता रामचंद्र तिवारी ने हथियार खरीद के लिए सरकार के बजट में व्यवस्था किए जाने की जानकारी देते हुए खरीद प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की बात स्वीकार की है। हालांकि, चीन के कंपनी से हथियार खरीदने के लिए पुराने टेंडर को ही आगे बढ़ाने की बात पर कुछ भी कहने से इंकार कर दिया। हथियार खरीद संबंधी अनुगमन कार्यालय के सहसचिव रामबंधु सुवेदी ने कहा कि तीन साल पहले स्थगित की गई खरीद प्रक्रिया को ही आगे बढ़ाना गैर कानूनी हो सकता है और यह जांच के दायरे में आ सकता है।

बांग्लादेश में भीड़ हिंसा 'जन आक्रोश का विस्फोट', न्यायपालिका के प्रति अविश्वास नहीं: अटॉर्नी जनरल

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के अटॉर्नी जनरल मो. असदुज्जमान ने देशभर में पिछले साल हुए भीड़ हिंसा को न्यायपालिका के प्रति अविश्वास नहीं, बल्कि पूर्ववर्ती शेख हसीना सरकार और उसकी अवामी लीग के खिलाफ जन आक्रोश का विस्फोट करार दिया है। यह बात उन्होंने अवामी लीग सरकार के पतन की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम में कही। अटॉर्नी जनरल असदुज्जमान ने कहा कि यह हिंसा न्यायपालिका के प्रति अविश्वास की अभिव्यक्ति नहीं थी, बल्कि पिछले 17 वर्षों से जमी हुई जनता की नाराजगी का विस्फोट थी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस तरह की हिंसा न्यायोचित नहीं है और समाज को ऐसे रास्तों से बचना चाहिए। मो. असदुज्जमान ने कहा कि आईसीटी-बीडी द्वारा मानवता के खिलाफ दोषी पाए गए लोग चुनाव लड़ने के अयोग्य होंगे। उन्होंने संकेत दिया कि यदि अवामी लीग को एक संस्था के रूप में दोषी पाया गया, तो पूरी पार्टी के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई हो सकती है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के बावजूद, सभी पार्टियां अब अवामी लीग के खिलाफ एकजुट नजर आ रही हैं।दरअसल, बांग्लादेश की अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी-बीडी) ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को अवमानना मामले में 6 महीने की सजा सुनाई है। साथ ही, मानवता के खिलाफ अपराधों के गंभीर आरोपों पर उनका मुकदमा गैर-हाजिर रूप में चल रहा है। उनकी पार्टी अवामी लीग के कई नेता भी इन मामलों में व्यक्तिगत रूप से कटघरे में हैं।

कराची में इमारत ढहने से 16 की मौत : सुरक्षा मानकों पर उठे सवाल, राहत कार्य जारी

एजेंसी

कराची। पाकिस्तान के सबसे बड़े शहर कराची में सुबह एक पांच मंज़िला रिहायशी इमारत के ढहने से कम से कम 16 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा सुबह करीब 10 बजे हुआ और घटनास्थल पर बचाव व राहत कार्य देर रात तक जारी रहे। अधिकारियों ने आशंका जताई है कि मलबे में अब भी कई लोग फंसे हो सकते हैं, जिससे मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, यह इमारत तीन साल पहले ही ÷रहने के लिए असुरक्षित÷ घोषित की जा चुकी थी। बावजूद इसके, यहां करीब 100 लोग रह रहे थे। पुलिस और राहतकर्मियों ने मलबे से कई शव और घायलों को बाहर निकाला है।जहां प्रशासन का दावा है कि वर्ष 2022, 2023 और 2024 में इमारत को खाली कराने के लिए कई नोटिस जारी किए गए थे, वहीं

वहां रहने वाले लोगों–जिनमें मकान मालिक और किराएदार दोनों शामिल हैं–का कहना है कि उन्हें कभी कोई आधिकारिक सूचना नहीं दी गई। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी जावेद नबी खोसो ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि रिकॉर्ड में तीन बार नोटिस जारी किए गए हैं, लेकिन इस पर अमल नहीं हुआ। दूसरी ओर, पीड़ित परिवारों का आरोप है कि अगर सरकार समय रहते ठोस कार्रवाई करती तो यह हादसा टाला जा सकता था।राहत दलों ने बताया कि पूरी रात राहत कार्य चलता रहा। अब तक कई शव निकाले जा चुके हैं और घायलों को पास के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि मृतकों की संख्या में और इज़ाफा हो सकता है, क्योंकि कई लोग अब भी मलबे में दबे हो सकते हैं। शहर में 600 से अधिक खतरनाक इमारतेंयह इमारत कराची की उन 600 से अधिक इमारतों में से एक थी, जिन्हें प्रशासन ने आधिकारिक रूप से खतरनाक घोषित किया है। यह हादसा न केवल प्रशासनिक लापरवाही को उजागर करता है, बल्कि पाकिस्तान में निर्माण मानकों और शहरी नियोजन को लेकर गहरी चिंता भी पैदा करता है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने सरकार से मांग की है कि खतरनाक इमारतों को लेकर पारदर्शी और त्वरित कार्रवाई की जाए ।

प्रधानमंत्री मोदी पहुंचे ब्राजील, ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे, प्रवासी भारतीयों में खासा उत्साह

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चार दिनों की यात्रा पर ब्राजील पहुंचे हैं। इस दौरान वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।यह प्रधानमंत्री मोदी की पांच देशों की यात्रा का चौथा चरण है। उनकी इस यात्रा को लेकर प्रवासी भारतीयों में खासा उत्साह देखा गया। जिन्होंने गर्मजोशी के साथ उनका स्वागत किया। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए प्रधानमंत्री मोदी प्रधानमंत्री शनिवार शाम (स्थानीय समय के अनुसार) रियो डी जेनेरियो के गैलेओ इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचे जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर ब्राजील पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी रियो डी जेनेरियो में 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे, उसके बाद राजकीय यात्रा पर

जाएंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर कहा कि ब्राजील के रियो डी जेनेरियो पहुंचा, जहां मैं ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा और बाद में राष्ट्रपति लूला के निमंत्रण पर राजधानी ब्रासीलिया जाऊंगा। इन बैठकों और बातचीत से एक उत्पादक दौर की उम्मीद है।

वे यहां राष्ट्रपति लूला के साथ व्यापार, रक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष, प्रौद्योगिकी, कृषि, स्वास्थ्य सहित दोनों देशों के बीच सामरिक साझेदारी को व्यापक बनाने पर द्विपक्षीय चर्चा करेंगे। अपनी यात्रा में प्रधानमंत्री मोदी 6 और 7 जुलाई को ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेने के बाद राजकीय यात्रा करेंगे, जिसके लिए वे ब्रासीलिया जाएंगे। ब्रिक्स में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका सदस्य देश हैं जिसमें पांच अतिरिक्त सदस्य देश मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और यूएई के साथ संगठन का विस्तार किया गया है।

यूके पुलिस ने फिलिस्तीन एक्शन के समर्थन में प्रदर्शन कर रहे 20 से अधिक लोगों को किया गिरफ्तार

एथेंस।

लंदन। लंदन की मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने फिलिस्तीन एक्शन समूह के समर्थन में आयोजित एक प्रदर्शन के दौरान 20 से अधिक लोगों को आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई उस दिन हुई जब ब्रिटेन सरकार द्वारा इस समूह को आधिकारिक रूप से टेररिज्म एक्ट के तहत प्रतिबंधित कर दिया गया। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने सोशल मीडिया पोस्ट में जानकारी दी कि, फिलिस्तीन एक्शन एक प्रतिबंधित संगठन है और जहां आपराधिक गतिविधियां होंगी, वहां पुलिस कार्रवाई करेगी। हमने आतंकवाद कानून के तहत 20 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने इस प्रतिबंध को तानाशाहीपूर्ण और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला बताया है। मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और कुछ राजनीतिक नेताओं ने भी इस कार्रवाई की आलोचना की है और इसे राजनीतिक असहमति को दबाने का प्रयास कहा है। उल्लेखनीय है कि 'फिलिस्तीन एक्शन' खुद को अहिंसक प्रत्यक्ष कार्रवाई आंदोलन बताता है, जो मुख्य रूप से ब्रिटेन में हथियार कंपनियों और उनके इजराइल से कथित संबंधों के खिलाफ अभियान चलाता रहा है। हालांकि अब इसे एक प्रतिबंधित संगठन घोषित किया गया है, जिसके समर्थन को भी अपराध माना जाएगा।

टेक्सास में भयावह बाढ़ : मरने वालों की संख्या 27 पहुंची, 9 मासूम भी शामिल; 27 लड़कियां अब भी लापता

एजेंसी

ह्यूस्टन/टेक्सास। अमेरिका के टेक्सास राज्य में आई अचानक और विनाशकारी बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 27 हो गई है। केर काउंटी के शेरिफ लैरी एल. लीथा ने पुष्टि की कि मृतकों में 18 वयस्कों के साथ-साथ 9 बच्चे भी शामिल हैं। बचाव दल लगातार लापता लोगों की तलाश में जुटा है, जिनमें 27 लड़कियां शामिल हैं जो एक समर कैंप में हिस्सा ले रही थीं। शेरिफ लीथा ने बताया कि अब तक करीब 850 लोगों को सुरक्षित बचाया गया है, जबकि आठ घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि तलाश और बचाव अभियान तब तक नहीं रोका जाएगा, जब तक कि हर एक लापता व्यक्ति का पता नहीं चल जाता।

समर कैंप में आई तबाही

बाढ़ का सबसे भीषण प्रभाव उस क्षेत्र में पड़ा जहां एक बालिकाओं का समर कैंप चल रहा था। यहां की कई प्रतिभागी लड़कियां बाढ़ के कारण लापता हो गईं। अधिकारियों के अनुसार, इस कैंप में शामिल 27 लड़कियों की कोई खबर नहीं है, जिससे पूरे राज्य में चिंता का माहौल है। ट्रंप ने जताया शोक, राहत कार्यों की निगरानी में जुटी संघ

सरकारअमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टेक्सास की इस भीषण आपदा को लेकर ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने लिखाः ट्रंप प्रशासन टेक्सास में कल आई भीषण बाढ़ के बाद राहत और बचाव कार्यों के लिए राज्य और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सेक्रेटरी क्रिस्टी नोएम जल्द ही वहां पहुंचेंगी।'

राष्ट्रपति ट्रंप की ओर से स्थिति पर लगातार निगरानी की जा रही है और गृह सुरक्षा विभाग के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचकर राहत कार्यों की समीक्षा करेंगे।

बाढ़ का कारण और स्थिति

स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, टेक्सास के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण अचानक जलस्तर में बेतहाशा वृद्धि हुई, जिससे नदियों और बांधों में पानी उफान पर आ गया। कई स्थानों पर सड़कों, पुलों और घरों को पानी ने निगल लिया। राज्य सरकार ने प्रभावित इलाकों में आपातकाल घोषित कर दिया है और नेशनल गार्ड को राहत कार्यों में लगाया गया है।

संवेदना और आक्रोश

इस आपदा ने न केवल पूरे अमेरिका को झकझोर दिया है, बल्कि सवाल भी खड़े किए हैं कि क्या प्रशासन इस खतरे के प्रति पहले से तैयार था? सोशल मीडिया पर लोग सवाल उठा रहे हैं कि समर कैंप को मौसम चेतावनी के बावजूद क्यों नहीं रद्द किया गया।

राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन ने नागरिकों और स्वयंसेवी संगठनों से मदद की अपील की है। बाढ़ पीड़ितों के लिए शरण स्थल, भोजन और प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही, रेड क्रॉस और फेमा जैसी एजेंसियां भी सक्रिय रूप से राहत कार्यों में जुटी हैं।टेक्सास की यह त्रासदी एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के लिए बेहतर तैयारी और समय रहते बचाव कार्यों की महत्ता को रेखांकित करती है। मलबे में दबे लोगों की खोज जारी है और पूरा देश इन पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है।

न्यूज फ्लैश

जमानत के बदले हरियाली" - अमेठी डीएम संजय की पहल बनी पर्यावरण संरक्षण की मिसाल

दिव्य दिल्ली : (अमेठी)

जनपद अमेठी में जिलाधिकारी संजय चौहान द्वारा शुरू की गई एक अनूठी और सराहनीय पहल ने न सिर्फ न्यायिक प्रक्रिया को पर्यावरणीय उत्तरदायित्व से जोड़ा है, बल्कि समाज में सुधार की एक नई दिशा भी प्रस्तुत की है। डीएम चौहान की यह पहल अब जुर्म छोड़ो, पेड़ जोड़ों जैसे संदेश को जमीन पर उतारते हुए पूरे प्रदेश के लिए प्रेरणा बनती जा रही है।पौधारोपण के बदले जमानत झ एक क्रांतिकारी प्रयोग डीएम संजय चौहान ने आदेश दिया है कि अब अमेठी में सी आर पी सी की धारा 151, 107 व 116 के अंतर्गत शांति भंग के मामलों में आरोपी तभी जमानत पा सकेंगे जब वे पौधारोपण करेंगे और उसकी देखरेख की जिम्मेदारी भी निभाएंगे।आरोपी को पौधा लगाकर उसकी फोटो और स्थान की जानकारी संबंधित अधिकारियों को देनी होगी। इस प्रक्रिया की निगरानी लेखपाल व कानूनगो के जरिए सुनिश्चित की जाएगी।यह अभिनव कदम न केवल अपराधियों में सुधार की भावना जागृत कर रहा है, बल्कि अमेठी की धरती को हरा-भरा बनाने की दिशा में भी एक सार्थक प्रयास है। चौहान मॉडल: जहां अपराध से सेवा की ओर बढ़ता है समाज इस नवाचार की प्रेरणा आवास विकास परिषद बरेली जोन के डिप्टी हाउसिंग कमिश्नर मांगे राम चौहान के वर्ष 2019 में जनपद अमरोहा में लागू किए गए ह्लचौहान मॉडलह्व से मानी जा रही है। उस समय रञ्ज रहते हुए उन्होंने महसूस किया कि पृथ्वी और व्यक्ति दोनों का तापमान बढ़ रहा है — और इसका समाधान प्रकृति से जुड़ाव में है।उन्होंने जमानत के लिए "हरित बंध पत्र" की अनिवार्यता लागू की, जिसके तहत अभियुक्तों को पौधारोपण कर उसकी देखभाल का शपथ पत्र भरना पड़ता था। इस प्रयास से 20,000 से अधिक पौधे लगाए गए, और यह मॉडल तत्कालीन मुख्य सचिव से लेकर उत्तर प्रदेश प्रशासन एवं प्रबंधन अकादमी तक में प्रशंसा पा चुका है।

विजय विहार थाना पुलिस की टीम ने हत्या की वारदात को सुलझाया चार गिरफ्तार

दिव्य दिल्ली : विजय विहार थाना अंतर्गत महाराणा प्रताप पार्क में शव मिला जिसकी जानकारी विजय विहार थाने में दर्ज कराई गई वही विजय विहार थाना के डीसीपी ने बताया की रोहिणी पुलिस की टीम मौके पर पहुंचती है और शव को कब्जे में लेकर आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगालना शुरू करती है जिसके पास सीसीटीवी फुटेज के आधार पर दिल्ली पुलिस की टीम ने एक-एक कर चार आरोपियों सहित दो नाबालिगो को गिरफ्तार किया है।गिरफ्तारी के बाद आरोपियों ने खुलासा किया कि उन्होंने लूट के लिए ही हत्या की वारदात को अंजाम दिया है और आरोपियों के खिलाफ पहले भी लूट डकैती स्नैचिंग व अन्य कई संगिनी धाराओं के तहत आपराधिक मामले डर जाए गिरफ्तार आरोपियों के पास से दिल्ली पुलिस की टीम ने मृतक का मोबाइल फोन पर्स व बैंग भी बरामद किया है। पुलिस आगे की आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

कृषि मंत्री ने ज्वाली उपमंडल में अधिकारियों के साथ की बैठक

दिव्य दिल्ली : ऊषा जरियाल (ज्वाली)

कृषि एवं पशुपालन मंत्री प्रो. चन्द्र कुमार ने कार्यकारिणी एस डी एम विकास जम्वाल की उपस्थित में ज्वाली उपमंडल के सभी लाइन विभागों के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने मानसून सीजन के मद्देनजर सतर्कता बरतने और संभावित आपदाओं से निपटने के लिए पूरी तैयारी रखने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि भले ही अब तक ज्वाली उपमंडल में बरसात से कोई खास नुकसान नहीं हुआ है, लेकिन प्रदेश के ऊपरी क्षेत्रों में भारी जान-माल की हानि हो चुकी है।

पिछली बरसात में ज्वाली, इंदौरा और फतेहपुर उपमंडलों में भी काफी नुकसान हुआ था। उस समय मुख्यमंत्री ने स्वयं प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया था और प्रदेश सरकार ने विशेष राहत पैकेज के अंतर्गत प्रभावितों को पुनः घर निर्माण के लिए 7-7 लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी थी।कृषि मंत्री ने सभी अधिकारियों से मानसून सीजन को ध्यान में रखते हुए विभागीय कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का आग्रह किया।बैठक में एसडीएम विकास जम्वाल,पशुपालन विभाग के उप निदेशक सीमा गुलेरिया,डीएफओ अमित शर्मा,जलशक्ति विभाग के अधीक्षण अभियंता विकास बक्शी,पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियंता जगतार सिंह,बिजली बोर्ड के अधीक्षण अभियंता कुलवीर जस्सल,तहसीलदार ज्वाली विनोद टंडन,तहसीलदार नगरोटा सुरियाँ ज्ञान चंद,डीएसपी वीरी सिंह, बीडीओ मनोज शर्मा,बीएमओ अमन दुआ, जाइका के जिला प्रोजेक्ट मैनेजर योगेंद्र पॉल,उपमंडलीय भू- संरक्षण अधिकारी चंचल राणा,ज्वाली आईटीआई के प्रिंसिपल अशोक चौधरी,डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल दिनेश शर्मा सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

खेल अधोसंरचना हेतु उपायुक्त सोलन से मिला प्रतिनिधिमंडल

दिव्या दिल्ली : अमर पुनज (सोलन)

सोलन एम्पावरमेंट एंड डिवेलपमेंट ऑर्गनाइजेशन (रएउछ) के अध्यक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. राजेश कश्यप के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त सोलन मनमोहन सिंह से भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने सोलन जिले में युवाओं के लिए खेल अधोसंरचना में सुधार की दिशा में तीन महत्वपूर्ण मांगें रखीं:1. युवाओं के लिए एक उपयुक्त खेल मैदान की आवश्यकता है। इसके लिए सब्जी मंडी सोलन के पास भूमि आवंटित की जाए।2. ठोडो ग्राउंड के समीप स्थित अधूरे इंडोर स्टेडियम का कार्य दोबारा आरंभ किया जाए।3. ठोडो ग्राउंड में गैर-खेल गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि खिलाड़ियों को निरंतर अभ्यास के लिए स्थान मिल सके। डॉ. कश्यप ने उपायुक्त महोदय को अवगत कराया कि वर्तमान में सोलन में खेल अधोसंरचना की कमी के कारण अनेक प्रतिभाशाली युवा अवसरों से वंचित रह जाते हैं। मैदानों की अनुपलब्धता के कारण उन्हें अभ्यास रोकना पड़ता है या फिर अन्य स्थानों पर जाना पड़ता है। उपायुक्त मनमोहन सिंह जी ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वस्त किया कि सोलन में खेल गतिविधियों के लिए भूमि का आवंटन प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा,एवं इंडोर स्टेडियम परियोजना को पुनः आरंभ करने हेतु संबंधित विभागों से चर्चा की जाएगी।इस प्रतिनिधिमंडल में अनेक खेल संगठनों के प्रमुख पदाधिकारी उपस्थित रहे एम.आर. पूरी (क्रिकेट संघ),अजय सिंह कंवर ,(क्रिकेट) शेर सिंह (फुटबॉल एवं एथलेटिक्स संघ),मंगलेश्वर (हॉकी संघ), तिलक राज (किक बॉक्सिंग),(फुटबॉल,),शेर सिंह चौहान (फुटबॉल),जतिन साहनी एवं श्री योगेश (बैडमिंटन संघ) मंगलेश्वर शर्मा हॉकी ,विजय ठाकुर ,कुश्ती,मंगलेश ,दिव्यांशु (कबड्डी), जय सिंह ठाकुर (बास्केट बॉल),देश राज ठाकुर (,हैंड बॉल),इकबाल मलिक कराटे, ,किकबॉक्सिंग,बलि राम,जूडो, जितेंद्र पिजार(कूड़े),अन्य खेल नेता जैसे श्री सुन्दर, सिंह ठाकुर भी उपस्थित रहे।

मास्टर ट्रेनर्स के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित

दिव्य दिल्ली : मनीष ठाकुर (कुल्लू,)

उपायुक्त कार्यालय के बहुउ?देशीय भवन के सभागार में विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (एएलएमटी) के लिए एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत मतदाता सूचियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण से पूर्व घर-घर जाकर मतदाता सूचियों के सत्यापन करने के लिए बूथ लेवल अधिकारियों तथा बूथ लेवल पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना है। यह प्रशिक्षिण विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (एएलएमटी) द्वारा करवाया जाना है।मास्टर ट्रेनर (डीएलएमटी) बीना कुमारी, तहसीलदार (निर्वाचन) द्वारा विधानसभा स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स (एएलएमटी) को प्रशिक्षण दिया गया।

विस्थापित परिवारों ने मांग को लेकर किया विशाल रोष प्रदर्शन व दिया धरना

दिव्य दिल्ली : जम्मू कश्मीर

जम्मू कश्मीर मध्य बहती रावी नदी पर बन रहे बैराज बांध के निर्माण कारण हुए विस्थापित परिवारों ने अपने रोजगार व अन्य उचित मांगों को लेकर डैमज प्रशासन के चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर विशाल रोष प्रदर्शन किया तथा 97वें दिन भी अपनी भूख हडताल जारी रखी। आज उमेश शाहपुर कंडी, गुरजीत सिंह जैनी, अवतार सिंह जैनी, गुरदीप सिंह अवां व कुलदीप सिंह शाहपुर कंडी ने अपनी भूख हडताल जारी रखी। बैराज बांध औसती संघर्ष कमेटी शाहपुर कंडी के पदाधिकारी थीन डैम वर्कर्ज यूनियन के प्रधान जसवंत संधू की अध्यक्षता में जारी रखी गई ,भूख हडताल व रोष रैली में उन्होंने कहा कि , बैराज बांध प्रशासन व पंजाब सरकार ने बैराज बांध की बनी हुई झील के लिए उनके कई 17 गांवों से उनकी भूमि व आवासों को अधिगृहित किया है, जिससे सैंकंडों परिवार प्रभावित हुए है। पंजाब सरकार की आर एंड आर पालिसी अनुसार, पुनार्वास मुआवजा व रोजगार देने का प्रावधान है, परंतु बैराज बांध प्रशासन ने अपनी मनमानी करके, गलत नियमों को बना कर उनके साथ धोखा किया है, जिसकारण उनके प्रभावित परिवारों को रोजगार हासिल करने में समस्या बन रही है।

रोष प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मांग की है कि आर एंड आर पालिसी को पहले दिए गए रोजगार अनुसार लागू किया जाए, उनका बनता रोजगार दिया जाए, पुनार्वास मुआवजा दिया जाए व अन्य बनती उचित मांगों को पूरा किया जाए। इसके साथ ही विस्थापित परिवारों ने चेतावनी दी है कि यदि शीध्र ही उनकी उचित मांगों को शीध्र पूरा नहीं किया गया तो वह 15 जुलाई को फिर से चीफ इंजीनियर कार्यालय के बाहर , विशाल रोष प्रदर्शन व धरना देगें। इस अवसर पर कमेटी के पदाधिकारी व कर्मचारी नेता कामरेड जसवंत संधू, सुरजीत सिंह, रविंद्र बाबा, चैन सिंह, जसविंदर सिंह जस्सू, आदर्श वाला, विनोद कुमारी, सुनीता देवी, यशोदरा देवी, कमलेश कौर, रमेश कुमार ,अवधेश शर्मा राम, विनोद शर्मा,युवराज सिंह छन्नी, हरनाम सिंह, कुलदीप शर्मा, पूर्व सरपंच रमेश कुमार, धर्मपाल व अन्य उपस्थित थे।

विधायक के कार्यालय कण्डवाल में बरंडा पंचायत क्षेत्र के लोगों ने अपनी समस्याएं बताईं

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

नूरपुर विधानसभा क्षेत्र के बीजेपी विधायक रणबीर सिंह निक्का के जनसंपर्क कार्यक्रम के तहत अपने कार्यालय कंडवाल में बरण्डा पंचायत क्षेत्र के भारी जन समुदाय जिनमे माता, बहनो ने विधायक से भेंट करने के वाद अपनी समस्यओ को आज विधायक के सामने रखा ' पंचायत की मातृशक्ति ने भीइस अवसर पर गाँव वासियों को आ रही ऐसी कई समस्याओं जैसे बिजली की कटौती व पीने के पानी की कमी व सरकारी निगम की बस का बंद हो जाना प्रमुख समस्याओं को विधायक के समक्ष प्रतिनिधिमंडल ने अवगत करवाया। विधायक ने इस अवसर पर प्रतिनिधि मंडल की बात को गंभीरता से सुना और उसके बाद विधायक ने प्रतिनिधि मंडल के सामने सबंधित अधिकारियों से बात कर इन समस्याओं का जल्द समाधान करने के आदेश दिए' इस अवसर पर विधायक महोदय ने बताया कि बरंडा पंचायत क्षेत्र मेरी नंदशाल है और यहां के लोगों की समस्याओं का समाधान करना मेरी प्राथमिकता है क्योंकि 2022 के विधानसभा चुनाव में कंडवाल बरंडा पक्का टियाला रिट उपरली वव रिट निचली व नागाबाड़ी क्षेत्र की जनता ने मेरे को विधायक बनाने के लिए पूरा जोर चुनावो में लगाया था मैं इनका कर्ज नहीं दे सकता '

इस अवसर पर उन्होंने मौके पर ही संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश भी दिए जनता की समस्या का समाधान नूरपुर विधानसभा क्षेत्र में प्राथमिकता के तौर पर करें ' लोकतंत्र में सरकारी तंत्र भी जनहित में एक स्तंभ का काम करता है ' सरकारी तंत्र का मकसद यह है कि वह जनता की आवाज को पहले गैर राजनीतिक तौर पर धरातल पर समझे।

एसडीएमएफ से निर्माणाधीन कार्यों की जिलाधीश ने की समीक्षा

दिव्य दिल्ली : मनीष ठाकुर (कुल्लू)

जिला कुल्लू में आपदा जोखिम न्यूनीकरण के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए सोमवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक उपायुक्त कुल्लू, तोरुल एस. रवीश की अध्यक्षता में आयोजित की गई, जिसमें राज्य आपदा न्यूनीकरण निधि के अंतर्गत जल शक्ति विभाग और लोक निर्माण विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों से विभागवार जानकारी प्राप्त की तथा अब तक किए गए कार्यों की स्थिति पर संतोष व्यक्त किया। जल शक्ति और लोक निर्माण विभाग को बहुत जरुरी कार्यों को डीपीआर/पीपीआर बनाने के निर्देश भी दिए गए । उन्होंने पेयजल और सिंचाई योजनाओं तथा जल निकासी व्यवस्थाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु जो कार्य किए गए हैं, उनकी प्रगति की समीक्षा की। उपायुक्त ने विभाग को निर्देश दिए कि मानसून को ध्यान में रखते हुए पानी के बहाव को नियंत्रित करने तथा जलभराव की समस्या से निपटने के लिए निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण करें।

जींद में अफीम के साथ नशा तस्कर काबू

जींद। सीआईए स्टाफ नरवाना ने नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए गांव बेलरखां के निकट एक नशा तस्कर को काबू कर उसके कब्जे से 508 ग्राम अफीम बरामद की है। पकडे गए आरोपित की पहचान सुरेन्द्र ग्योंग गिरोह के कुख्यात बदमाश के तौर पर हुई है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है।

नरवाना सीआईए प्रभारी सुखदेव सिंह ने को जानकारी देते हुए बताया कि सीआईए नरवाना की एक टीम एएसआई अवतार सिंह के नेतृत्व में बेलरखां गांव के नजदीक मौजूद थी। तभी सूचना मिली कि सुरेंद्र ग्योंग के गिरोह का कुख्यात गांव बेलरखां निवासी बदमाश सुभाष उर्फ भाषा जो अफीम तस्करी का धंधा करता है।

कंगना राजनीति करने की बजाए केंद्र से सहयोग की अपील करे

दिव्य दिल्ली : (धर्मशाला)

सांसद कंगना रनौत द्वारा प्रदेश कांग्रेस सरकार पर की जा रही ब्यानबाजी को लेकर पूर्व कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता पुनीत मल्ली ने कहा है कि मंडी तथा कुल्लू जिला में बरसात से जहां भारी नुकसान हुआ है लोग मारे गए हैं, कई बेघर हुए है वहीं कंगना रनौत राजनीति कर अपने फर्ज से मुहं मोड़ रही है। उन्होंने कहा कि बरसात में हुई भारी त्रास्ती का मामला कंगना को संसद में उठाना चाहिए तथा केंद्र से राहत की गुहार लगानी चाहिए, परंतु सांसद कंगना आपदा के इस दौर में कंगना सहित भाजपा नेता लोगों का ध्यान भटकाने के लिए प्रदेश कांग्रेस सरकार पर घटिया टिप्पणियां कर रही है, जिससे भाजपा की काली सोच जनता के सामने फिर से उजागर हुई है। कांग्रेस नेता पुनित मल्ली ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू खुद आपदा प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर पीड़ित परिवारों को हर संभव सहायत प्रदान कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि इससे पहले भी जब मंडी व कुल्लू जिला में आपदाओं का दौर चला तो सांसद कंगना रनौत मुम्बई में फिल्में बनाने में व्यवस्त थी। उन्होंने कंगना को सलाह देते हुए कहा कि वे मुम्बई जाकर अपनी फिल्मों पर ध्यान दे, जनता का दुख दर्द क्या होता है यह सोचना उनके बस की बात नही। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बरसात के कारण भारी नुकसान हुआ है। भाजपा सांसदों व नेताओं को चाहिए कि वे केंद्र को हिमाचल में हुई तबाही से अवगत करवाए न कि मोदी का गुणगान करे। उन्होंने कहा इससे पहले भी जब प्रदेश में जब भयंकर आपदाएं हुई भाजपा नेताओं ने राहत के नाम पर प्रदेश की जनता को मुर्ख बनाने की कोशिश की। गत वर्ष भी मंडी व कुल्लू में आपदाओं पर केंद्रीय की टीम खाली दौरा कर के चली गई थी।उन्होंने कहा जब भी प्रदेश में त्रास्दी का दौर शुरू होता है भाजपा वोट बैंक की राजनीति शुरू कर देती है। कंगना को मुख्यमंत्री की कार्यप्रणाली पर ब्यानबाजी करने से पहले जनता को यह बताना चाहिए कि वे केंद्र से किस प्रकार का सहयोग आपदा पीड़ितों के लिए लेकर आई है। उन्होंने कहा कि पीड़ितों के गले मिलने से दुख दूर नही होते उनकी सहायता करनी पड़ती है, जिससे भाजपा नेता व भाजपा के सांसद मुहं मोड़ रहे हैं।

ढालपुर के प्रदर्शनी मैदान में बंद की जाए खुदाई,जिला कुल्लू भाजपा ने डीसी से रखी मांग

दिव्य दिल्ली : (कुल्लू)

जिला कुल्लू के मुख्याल ढालपुर के मैदान अपनी सुंदरता के लिए मशहूर हैं लेकिन अब नगर परिषद कुल्लू के द्वारा सौंदर्य करण के नाम पर उसकी खुदाई की जा रही हैं। ऐसे में अब जिला कुल्लू भाजपा ने इस कार्य पर अपनी आपत्ति जताई हैं और कहा है कि नगर परिषद कुल्लू के पार्षदों को भी इस कार्य की जानकारी नहीं है। वहीं जिला कुल्लू भाजपा ने डीसी कुल्लू से मांग रखी कि जल्द से जल्द इस कार्य को बंद किया जाए। जिला कुल्लू भाजपा के अध्यक्ष अमित सूद ने बताया कि ढालपुर के प्रदर्शनी मैदान में इन दिनों सौंदर्य करण के नाम पर खुदाई की जा रही है। जबकि इस बारे नगर परिषद के द्वारा ना तो कोई प्रारूप तैयार किया गया है और ना ही इसे नगर परिषद की बैठक में पारित किया गया है। नगर परिषद कुल्लू के पार्षद दानवेंद्र सिंह, राजकुमार और उमापाल ने भी इस पर असहमति जताई है। ऐसे में अगर प्रशासन और नगर परिषद के पार्षदों को ही इस निर्माण कार्य की जानकारी नहीं है तो आखिर किसकी शह पर यह कार्य हो रहा है। आखिर किसको फायदा देने के लिए ढालपुर के प्रदर्शनी मैदान को खोदा जा रहा है। अमित सूद ने कहा कि इस कार्य में भी कोई बड़े घोटाले की बू रही है और प्रशासन को भी इस पर कड़ा संज्ञान लेना चाहिए। अमित सूद का कहना है कि अगर नगर परिषद कुल्लू को इस मैदान का सौंदर्य करण करना है तो वह पहले इसे नगर परिषद की बैठक में इस पर प्रस्ताव लाए और सभी पार्षदों की भी इसमें सहमति होनी चाहिए। उनका कहना है कि ढालपुर के मैदान रफाए आम कानून के तहत आते हैं और यहां पर अगर कोई भी कार्य करना हो तो उसके लिए रफाए आम कानून के तहत आने वाले सभी चुने हुए प्रतिनिधियों के प्रतिनिधियों व स्थानीय लोगों से भी बात करनी होती है।

इनफर्टिलिटी के लिए लेप्रोस्कोपिक ऑपरेशन वेरीकोसिल रोग के सफल ऑपरेशन साई संजीवनी हॉस्पिटल सोलन में हुए लेप्रोस्कोपी एक वरदान

दिव्य दिल्ली : अमर पुंज (सोलन)

वेरीकोसिल नामक रोग एक नसों की बीमारी है जिसके कारण पुरुष में शुक्राणु कम मात्रा में बनने शुरू हो जाते हैं।यह रोग 14- 15 साल की उम्र से शुरू हो जाता है तथा जब भी अंडकोष की रक्त आपूर्ति बाधित हो जाती है तो शुक्राणु कम मात्रा में बनने शुरू हो जाते हैं। वेरीकोसिल खून की नसों का वह रोग है जो उन पुरुषों में होता है जो लंबे समय तक खड़े रहने का कार्य करते हैं जैसे बस कंडक्टर, पुलिस कर्मचारी और कटिंग का काम करने वाले।वेरीकोसिल के कारण इन पुरुषों में गहरा दर्द लंबे समय तक होना संभव है। पुरुषों में इसके कारण हीन भावना तक आ जाती है। इस भावना के कारण पुरुष कई बार विवाह के लिए भी इनकार करने लग जाते हैं। वेरीकोसिल वैसे कुछ मात्रा में दवा से भी हल हो जाता है लेकिन बहुत बार ऑपरेशन की आवश्यकता भी पड़ जाती है। वेरीकोसील के ऑपरेशन में इन नसों को आंशिक रूप से बंद किया जाता है। ओपन सर्जरी एक विकल्प है परंतु अब लेप्रोस्कोपी यानी दूरबीन द्वारा भी इसका इलाज संभव है।

दूरबीन द्वारा किए जाने के बाद व्यक्ति एक दिन में अपने घर की ओर चला जाता है। तथा ऑपरेशन के बाद की तकलीफ भी बहुत कम हो जाती है। दो टानको के ऑपरेशन के बाद यह नसें गंदे खून को अंडकोष की ओर परवाह नहीं होने देती।

नागिन एक्ट्रेस

अनीता हसनंदानी

के क्रिप्टिक पोस्ट ने बढ़ाई फैंस के दिलों की धड़कन, यूजर्स बोले- बस सेफ रहना

एंटरटेनमेंट डेस्क, नई दिल्ली। अनीता हसनंदानी छोटे पर्दे की बड़ी अदाकारा हैं। ये हैं मोहब्बतें से लेकर एकता कपूर के नागिन सीरियल तक वैम्प बनकर भी उन्होंने फैंस का हमेशा अपना दीवाना बनाया है। सोशल मीडिया पर भी टीवी की इस हसीना के चाहने वालों की कोई कमी नहीं है। वह जो पोस्ट भी शेयर करती हैं वो देखते ही देखते वायरल हो जाता है। हाल ही में अनीता हसनंदानी ने एक ऐसा क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसे देखकर उनके फैंस की चिंता काफी बढ़ गई है। एक्ट्रेस ने कुछ ऐसा लिखा है, जिससे फैंस ये सोचने पर मजबूर हो गए हैं कि आखिर अचानक से उन्हें क्या हो गया है।

अनीता हसनंदानी ने इंस्टाग्राम पर ऐसा क्या लिखा है ?

कसम से फेम एक्ट्रेस अनीता हसनंदानी ने बीते दिन अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर किया था। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा था, सॉरी गाइज...विदा ले रही हूं। काफी समय से आवाज बहुत तेज थी, लेकिन अब खुद को दोबारा सुनने का समय आ गया है। सिर्फ यही नहीं, अनीता हसनंदानी ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर भी एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा कि वह किसी चीज से बहुत ज्यादा इरिटेट हो रही हैं।

इंस्टाग्राम स्टोरी के साथ कैप्शन में उन्होंने लिखा, आप की अपनी। अनीता हसनंदानी के इस पोस्ट को देखने के बाद कुछ फैंस को ये लग रहा है कि वह अपना सोशल मीडिया अकाउंट डिएक्टिवेट करने की बात कर रही हैं। वहीं कुछ को ऐसा लग रहा है कि उनकी फेवरेट एक्ट्रेस किसी बात से परेशान है।

यूजर्स ने चिंतित होकर एक्ट्रेस को दी ये सलाह

अनीता के इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए एक यूजर ने लिखा, प्लीज आप सुरक्षित रहिएगा और अपना ध्यान रखना..आपको ढेर सारा प्यार। दूसरे यूजर ने लिखा, ये तो बड़ा ही डराने वाला पोस्ट था, प्लीज एक्सप्लेन करते हुए पोस्ट शेयर करें, क्योंकि आजकल किसी का कुछ समझ नहीं आ रहा है।

एक और अन्य यूजर ने लिखा, आपका ये डिसीजन अच्छा है, क्योंकि जब आप सोशल मीडिया से दूर होगे, तभी अपनी लाइफ को लॉग इन कर पाओगे...टेक केयर, खुद का ध्यान रखना। हालांकि, इन्हीं में कुछ यूजर्स का ये भी कहना है कि ये महज उनके अपकमिंग रियलिटी शो गोरियां चली गांव के लिए एक पब्लिकली स्टंट है।

अक्षय कुमार-कमल हासन से भिड़ने वाला अब आलिया भट्ट से टकराएगा, 2025 में होगा एक और बड़ा क्लैश

सिनेमा जगत में काफी कॉम्पिटिशन चल रहा है. बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों के बीच लगातार क्लैश देखने को मिल रहा है. साल 2025 तो जैसे क्लैश का ही साल है. अब तक 2 बड़े क्लैश सिनेमाघरों में देखने को मिल चुके हैं. वहीं हाल ही में एक क्लैश होते-होते भी रह गया है. वहीं आने वाले समय में भी ये सिलसिला थमने वाला नहीं है. दिसंबर के महीने में दो फिल्मों के बीच बड़ा क्लैश देखने को मिलेगा. इसमें पहली फिल्म है आलिया भट्ट की अल्फा. इस फिल्म की रिलीज डेट अनाउंस हो चुकी है. वहीं हाल ही में अदिवी शेष की फिल्म डकैत की भी रिलीज डेट आ गई है. ये फिल्म भी 25 दिसंबर 2025 को ही रिलीज हो रही है. मतलब साफ है. 2025 के क्रिसमस पर 2 बड़ी फिल्मों का बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने को मिलने वाला है.

रिलीज होगी आलिया भट्ट की अल्फा

पिछले 13 सालों में आलिया भट्ट ने अपनी शानदार एक्टिंग से फैंस का भरोसा जीता है और अच्छी फैन फॉलोइंग बना ली है. एक्ट्रेस साल 2025 में भी धमाका लेकर आ रही हैं. वे YRF स्पाई यूनिवर्स की फिल्म अल्फा में लीड रोल प्ले करती नजर आएंगी. इस फिल्म में उनके साथ शरवरी वाघ भी होंगी. फिल्म को 25 दिसंबर में रिलीज के लिए रीशेड्यूल कर दिया गया है. इस फिल्म में फैंस आलिया भट्ट को फुल एक्शन मोड में देखते नजर आएंगे जो सभी के लिए एक नया एक्सपीरियंस होगा.

अदिवी शेष की डकैत से मिलेगी चुनौती

लेकिन आलिया भट्ट को इस रिलीज के दौरान ही चुनौतियों का भी सामना करना होगा. उनकी फिल्म अल्फा के साथ ही अदिवी शेष की मूवी डकैत भी सिनेमाघरों में आएगी. इस फिल्म को लेकर भी लोगों के बीच बज़ बनना शुरू हो गया है. ये फिल्म एक प्रेम कहानी होगी जिसमें अदिवी एक रोमांटिक एक्टर के रोल में नजर आएंगे. इस फिल्म में उनके अपोजिट मृणाल ठाकुर होंगी. इसे हिंदी और तेलुगू दोनों ही भाषा में एक साथ शूट किया जा रहा है.

क्या आलिया संग क्लैश को लेकर नर्वस हैं अदिवी ?

अदिवी शेष की बात करें तो उन्होंने कई बड़ी फिल्मों में काम किया है. वे अपनी फिल्म को लेकर काफी कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं और उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलकर बातें की हैं. उन्होंने बॉलीवुड हंगामा को दिए इंटरव्यू में कहा- मैं क्लैश को लेकर इतना ज्यादा भी शर्मिला नहीं हूं. मेरी डेब्यू फिल्म मेजर जब आई थी तो इस फिल्म का सामना दो फिल्मों के साथ हुआ था. कमल हासन की विक्रम और अक्षय कुमार की सम्राट पृथ्वीराज से मेरी फिल्म मेजर का क्लैश देखने को मिला था. इसलिए मेरे लिए क्लैश नया नहीं है.

करोड़ों का चूना! 6 बार साथ आए अक्षय कुमार-सैफ अली खान, 4 फिल्में रहीं फ्लॉप, फिर लगा बड़ा दाव

फिल्मी पर्दे पर जरूरी नहीं है कि सिर्फ हीरो-हीरोइन की जोड़ी के ही चर्चे हों. दो सितारों वाली फिल्मों में अक्सर एक्टर्स की जोड़ियां पूरी महफिल लूट लिया करती थीं. ऐसे ही सितारों की एक जोड़ी अक्षय कुमार और सैफ अली खान की भी थी. 90 के दशक में अक्षय-सैफ ने एक साथ कई फिल्मों में काम किया है. दोनों को बड़े पर्दे पर एक साथ काफी पसंद किया जाता था. फिल्में फ्लॉप हों या फिट लेकिन इस जोड़ी के चाहने वाले कम नहीं होते थे. अब 17 साल बाद एक बार फिर से मेकर्स इस पुरानी जोड़ी को फिर से साथ ला रही है. डायरेक्टर प्रियदर्शन ने अपनी अगली फिल्म के लिए अक्षय और सैफ को फाइनल कर लिया है.लेकिन कम ही लोग जानते हैं कि सैफ-अक्षय अब तक 6 फिल्मों में एक साथ काम कर चुके हैं और उनमें से 4 फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धूल चाट चुकी हैं. यानी 6 में से अक्षय-सैफ की 4 फिल्मों का हाल बॉक्स ऑफिस पर खराब रहा था. यहां तक कि उनकी पिछली फिल्म जो उन्होंने साथ में की थी, वो भी बड़ा फ्लॉप साबित हुई थी. चलिए सैफ अली खान और अक्षय कुमार की एक साथ की गई फिल्मों का बॉक्स ऑफिस हाल जानते हैं.

ये दिल्लगी

साल 1994 में आई फिल्म 'ये दिल्लगी' में अक्षय-सैफ ने एक साथ काम किया था. इस फिल्म में दोनों ने भाईयों की भूमिका निभाई थी. फिल्म की कहानी दोनों भाईयों के इर्द-गिर्द ही घूमती नजर आई थी. वहीं फिल्म में काजोल लीड एक्ट्रेस थीं. 2 करोड़ में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 6 करोड़ कमाए थे. इसे हिट की लिस्ट में शामिल किया गया था.

तू चोर मैं सिपाही

साल 1996 में एक बार फिर से सैफ अली खान और अक्षय कुमार फिल्म तू चोर मैं सिपाही के लिए एक साथ आए. फिल्म के नाम से ही कहानी का अंदाजा हो जाता है. इस फिल्म ने दुनिया भर में 8.89 करोड़ रुपये की कमाई की थी और भारत में इसने 6.20 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था. अक्षय-सैफ की ये फिल्म फ्लॉर थी.

मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी

साल 1994 में अक्षय कुमार और सैफ अली खान की एक और फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी रिलीज हुई थी. ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई थी. इस फिल्म में शिल्पा शेट्टी और रागेश्वरी भी लीड रोल में थीं. ये उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्मों की लिस्ट में शामिल थी. 3.2 करोड़ में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 13.84 करोड़ रुपये की कमाई की थी.

अपूर्वा मुखीजा

की कुल संपत्ति 41 करोड़ रुपये है? वायरल दावे पर Rebel Girl ने तोड़ी चुप्पी

अपूर्वा मुखीजा उर्फ द रिबेल किड हाल ही में इंटरनेट पर अपनी कथित कमाई के बारे में रिपोर्ट आने के बाद सुर्खियों में आई थीं। बिजनेस टुडे ने बताया कि वह हर दिन 2.5 लाख रुपये कमाती हैं और उन्होंने 41 करोड़ रुपये का साम्राज्य खड़ा किया है। इस बीच, एक आईआईटी के पूर्व छात्र का एक पोस्ट वायरल हो गया। एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर @digitalsangghi हैंडल से जाने वाले यूजर ने एक नोट शेयर किया, जिसमें शैक्षणिक उपलब्धियों की तुलना में कंटेंट क्रिएशन को समाज द्वारा दिए जाने वाले महत्व पर प्रकाश डाला गया।

स पोस्ट ने योग्यता और सफलता की बदलती परिभाषा के बारे में बहस छेड़ दी। अब, अपूर्वा मुखीजा ने आखिरकार वायरल दावे के बारे में अपनी चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बताए गए आंकड़े गलत हैं।

अपूर्वा मुखीजा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक पोस्ट शेयर की जिसमें उनकी कथित कमाई का जिक्र था। पोस्ट में लिखा है, बिजनेस टुडे के अनुसार, अपूर्वा मुखीजा हर दिन 2.5 लाख रुपये कमाती हैं और अपने ऑनलाइन अवतार कलशी औरत के साथ उन्होंने 41 करोड़ रुपये का साम्राज्य खड़ा कर लिया है- इस रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए, अपूर्वा ने बस इतना लिखा,गलत है भाई?????

इससे पहले अपूर्वा मुखीजा हाल ही में करण जौहर के रियलिटी शो द ट्रेटर्स में दिखाई दीं, जो जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस की पृष्ठभूमि पर आधारित है।

दो अलग-अलग रास्तों की तुलना करते हुए, पहला शारीरिक और मानसिक कड़ी मेहनत से जुड़ा था जबकि दूसरा सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि और बहुत कम पैसे लेकर आया, एक्स पर @digitalsangghi नाम के यूजर ने लिखा, आज मुझे 100 लोग भी नहीं जानते।

उसने याद किया कि कैसे उसने भारत की सबसे कठिन इंजीनियरिंग परीक्षा पास करके भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) कानपुर में प्रवेश पाने के लिए अपने सामाजिक संबंधों को त्याग दिया और कई व्यक्तिगत बलिदान दिए। यह पर्याप्त नहीं था, पेशेवर सफलता के लिए उसके रास्ते में छह साल का शैक्षणिक दबाव, मानसिक तनाव और नौकरी की चिंता शामिल थी।

कर्नाटक के गवर्नर ने किया जीआईबीएफ द्वारा आयोजित भारत एशिया और यूरोप बिजनेस कॉन्क्लेव का उद्घाटन

दिव्य दिल्ली : (बेंगलुरु)

बेंगलुरु के रेडिसन ब्लू होटल में ग्लोबल इंडिया बिजनेस फोरम (जीआईबीएफ) द्वारा भारत-सेंट्रल एशिया और यूरोप बिजनेस कॉन्क्लेव (संस्करण 2) और नेशनल बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड 2025 का भव्य आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत और विशिष्ट अतिथि में रूस,चीन, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, ईरान, बेलारूस, सर्बिया, मोल्दोवा, जॉर्जिया, मंगोलिया के राजदूत, उच्चायुक्त और व्यापार सलाहकार मौजूद थे। मुख्य अतिथि कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कई बिजनेसमैन को अवॉर्ड से सम्मानित किया।

उन्होंने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा-'भारतीय अर्थव्यवस्थ की रीढ़ एमएसएमई क्षेत्र के विकास के लिए और अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार तथा अर्थिक कुटनीत को बढ़ावा देने में सराहनीय कार्य के लिए डॉ.जितेंद्र जोशी और दीपाली गडकरी को बधाई देता हू'। जीआईबीएफ के प्रेसिडेंट डॉ.जितेन्द्र जोशी ने कहा-हमारे देश के बिजनेसमैन दुनिया के हर कोने में जाकर ज्यादा से ज्यादा बिजनेस करें,

जो हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है, हम उसे साकार करने की कोशिश कर रहे हैं। जीआईबीएफ की सेक्रेटरी जनरल दीपाली गडकरी ने सभी अतिथियों का कार्यक्रम में आने के लिए धन्यवाद किया। जीआईबीएफ-एक अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार चैंबर है,जो उत्कृष्ट उद्यमियों को सम्मानित करने और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार में एमएसएमई की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक और उच्च-स्तरीय मंच बनाना है। इस फोरम में विनिर्माण, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स,कृषि-तकनीक, रसद और स्वच्छ ऊर्जा जैसे उद्योगों का प्रतिनिधित्व करने वाले विभिन्न क्षेत्रों के 150 से अधिक प्रमुख व्यापारिक नेताओं ने भाग लिया।

कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना 2027 तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी: सोनोवाल

गुवाहाटी/एजेंसी

केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सबानंद सोनोवाल ने सोमवार को कहा कि भारत के पूर्वोत्तर और म्यांमार के बीच संपर्क बढ़ाने की रणनीतिक पहल कलादान मल्टी-मॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट परियोजना 2027 तक पूरी तरह से चालू हो जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने यहां आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस में पूर्वोत्तर क्षेत्र में जलमार्ग और समुद्री क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 5,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ भारत सरकार के कई पहलों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के लगभग 50 हजार युवाओं को समुद्री नौकरियों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। सोनोवाल ने बताया कि बहुआयामी रणनीति का उद्देश्य अंतदेर्शीय जलमार्गों का विकास करना, समुद्री रसद को बढ़ाना और क्षेत्र में हजारों लोगों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। उन्होंने कहा कि पिछले 11 वर्षों में बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय ने कार्गो हैंडलिंग, क्षमता और तटीय शिपिंग में रिकॉर्ड वृद्धि के साथ भारत के समुद्री क्षेत्र को बदल दिया है। उन्होंने कहा कि प्रमुख बंदरगाहों ने अपनी क्षमता लगभग दोगुनी कर ली है। महत्वाकांक्षी नए टर्मिनलों के साथ क्रूज पर्यटन बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पूर्वोत्तर के 50,000 युवाओं को समुद्री नौकरियों के लिए प्रशिक्षित किया जाएगा। ।

बिहार में वोटर लिस्ट से गरीब का वोट गायब करने की साजिश: कांग्रेस

पटना/एजेंसी

बिहार में वोटर लिस्ट की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी खास समीक्षा को लेकर राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने चुनाव आयोग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि चुनाव आयोग गरीब आदमी का वोट चुराने की साजिश कर रहा है। इसके साथ ही पवन खेड़ा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विदेश दौरों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब देश को अंतरराष्ट्रीय मंच पर समर्थन चाहिए होता है, तब कोई देश भारत के साथ नहीं खड़ा होता।

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि बिहार में जो वोटर लिस्ट की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन हो रही है, उसमें कई गड़बड़ियां हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने खुद ही मजाक बना दिया है। पहले तो आयोग विज्ञापन निकालता है कि वोटर लिस्ट में सुधार होगा, लेकिन फिर उसी विज्ञापन के खिलाफ बयान देता है।

खेड़ा ने कहा कि आयोग की यह प्रक्रिया गरीब आदमी का वोट चुराने की साजिश है।

25-30 दिन में पूरा कैसे होगा काम?

पवन खेड़ा ने सवाल उठाया कि जब पिछली बार यही काम पूरा करने में एक साल लगा था, तो अब 25-30 दिन में कैसे हो जाएगा? उन्होंने कहा कि अब तो मानसून का समय भी है, ऐसे में काम करना और मुश्किल हो जाता है। खेड़ा ने दावा किया कि सरकार जल्दबाजी में वोटर लिस्ट में छेड़छाड़ करना चाहती है। इसी वजह से कांग्रेस पार्टी ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि जो लोग गरीब हैं, जिनके पास साधन नहीं हैं, जिनकी आवाज नहीं सुनी जाती, उनका वोट चुराने की पूरी कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि वोटर लिस्ट में नाम कटवाना या जोड़ने में गड़बड़ी करना, गरीब जनता के लोकतांत्रिक अधिकार पर हमला है। ने कहा कि कांग्रेस इसका विरोध करती रहेगी।

हाई कोर्ट ने खारिज की तुर्किये के कार्गो ऑपरेटर सेलेबी की याचिका

नई दिल्ली/एजेंसी

दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सचिन दत्ता की बेंच ने तुर्किये के कार्गो ऑपरेटर सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की याचिका खारिज कर दी है। देश के एयरपोर्ट पर ग्राउंड हैंडलिंग का काम करने वाली कंपनी ने सिक्योरिटी क्लीयरेंस निरस्त करने के केंद्र सरकार के फैसले को चुनौती दी थी। कोर्ट ने 13 मई को फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुनवाई के दौरान सेलेबी की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कहा था कि सिक्योरिटी क्लीयरेंस निरस्त करते समय न तो उन्हें नोटिस दिया गया और न ही उनका पक्ष सुना गया। एयरक्राफ्ट सिक्योरिटी रूल्स के नियम 12 का हवाला देते हुए कहा था कि केंद्र सरकार ने नैसर्गिक न्याय के सिद्धांत का उल्लंघन किया है। इस नियम के तहत नागरिक विमानन महानिदेशक सिक्योरिटी क्लियरेंस को निलंबित करते हैं।

सर्राफा बाजार में सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी कीमत

नई दिल्ली/एजेंसी

घरेलू सर्राफा बाजार में आज गिरावट का रुख नजर आ रहा है। सोना आज 500 रुपये से लेकर 540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 100 रुपये की सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में गिरावट आने की वजह से आज देश के ज्यादातर सराफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 98,250 रुपये से लेकर 98,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 90,100 रुपये से लेकर 90,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष के राष्ट्रीय मंत्री आशु चौहान ने भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया

दिव्य दिल्ली : दिल्ली के वसंत इनक्लेव में श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के राष्ट्रीय मंत्री व बिहार के सह प्रभारी राजन कुमार उर्फ आशु चौहान ने श्री कृष्ण जगन्नाथ रथ यात्रा का भव्य आयोजन किया। जिसमें दिल्ली इस्कॉन कमेटी भी शामिल रही। भगवान जगन्नाथ उनके भाई बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा की रथ यात्रा हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष में निकाली जाती है। आशु चौहान ने ढोल नगाड़ों सहित यात्रा के पूरे रास्ते पुष्पों की वर्षा कराई और हजारों की संख्या में भगवान जगन्नाथ के भक्त झूमते नाचते भक्ति में लीन रहे। यात्रा में श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष महिपाल बिड़लान भी मौजूद रहे साथ ही प्रदेश में सहयोगी मनोज कुशवाहा वीरेन्द्र सहरावत युवा नेता विश्व प्रताप राघव सहित क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों सहित पहुअ के अध्यक्ष सहित सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे। समाजसेवी आशु चौहान ने कुछ दिन पहले ही भगवान श्री कृष्ण जी राधा रानी जी का भव्य कीर्तन कराया था। जिसकी भव्यता देखते ही बनती थी। इस मौके पर दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष महिपाल बिड़लान ने राजन कुमार उर्फ आशु चौहान के द्वारा किए गए धार्मिक कार्यों की प्रशंसा की ओर कहा के आशु चौहान श्री कृष्ण जी के बहुत बड़े भक्त हैं।

अटल सदन सभागार में चंद्रधर शर्मा गुलेरी जी की जयंती के अवसर पर एक बहुभाषी कवि सम्मेलन आयोजन किया गया

दिव्य दिल्ली : मनीष ठाकुर (कुल्लू)

इस सम्मेलन में विभिन्न वरिष्ठ एवं युवा कवियों द्वारा हिन्दी, पहाड़ी, संस्कृत, और उर्दू भाषाओं में कविताएं सुनाई गईं। कवि सम्मेलन की अध्यक्षता जिला भाषाधिकारी प्रोमिला गुलेरिया ने की इस दौरान स्वर्गीय चंद्रधर शर्मा गुलेरी द्वारा हिमाचल प्रदेश की संस्कृति को सहेजने के लिए दिए गए योगदानों को याद किया गया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई।कार्यक्रम में वरिष्ठ साहित्यकार डॉक्टर सूरत ठाकुर ने ' संस्कृति मानव आत्मा' नामक कविता सुनाकर एक मनोवैज्ञानिक संदेश दिया। अजेय ने गुलेरी जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए अपने विचार व अनुभव व्यक्त किये और "तुम कुछ साल बाद आना" नामक कविता का पाठ किया। इशिता गिरीश द्वारा "पहाड़ से प्रेम" नामक कविता पढी गई। पल्लवी ने एक पहाड़ी कविता सुना कर प्राकृतिक आपदा से हुए विनाश का वर्णन किया। ओजस्विनी ने गुलेरी जी की "कहानी उसने कहा था" को कविता के रूप में प्रस्तुत किया। रूपिंदर पुनीत पटियाल ने "मैं ही तो महाकाल कालों का काल" नामक कविता पढी । शबनम ने "मेरे पापा" नामक कविता सुनाई, मोनिका ने व्यास नदी का सुंदर वर्णन करते हुए कविता सुनाई। ईशा कुमारी "लोग तो अच्छे पहले वाले ही थे" नामक कविता सुनाकर सबका मनोरंजन किया सुनीता ने मां पर कविता पढ कर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया।

देव आस्था जरूरी न की पर्यावरण के साथ छेड़छाड़ का विकास: राम

दिव्य दिल्ली : मनीष ठाकुर कुल्लू

हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिला के खराहल घाटी के शीर्ष पर विराजमान बिजली महादेव जहां घाटी के आराध्य है। तो वही हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ अन्य राज्यों के लोगों के भी इसमें श्रद्धा जुड़ी हुई है। लेकिन जिस तरह से रोपवे निर्माण को लेकर यहां पर पेड़ कटान किया जा रहा है। उस तरह का विकास ना तो भगवान बिजली महादेव का मंजूर है और ना ही यहां की स्थानीय जनता को। ऐसे में सरकार अगर विकास चाहती है तो वह जनजातीय क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों का विकास करें। जिला कुल्लू का मुख्यालय ढालपुर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए एचपीएमसी के पूर्व उपाध्यक्ष राम सिंह ने कहा कि आज सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों ही चुप्पी साधे हुए हैं। जबकि भगवान बिजली महादेव ने अपने देव वाणी में यह स्पष्ट कहा था कि उन्हें यह रोपवे कतई भी मंजूर नहीं है। लेकिन आज उनकी वाणी का कहीं भी सम्मान नहीं किया जा रहा है और भगवान बिजली महादेव से जुड़े हुए श्रद्धालुओं की भी बात सरकार नहीं सुन रही है। राम सिंह ने कहा कि वह विकास के विरोधी नहीं है। लेकिन सरकार को चाहिए कि वह पर्यटन स्थलों का विकास करें ना की देवस्थानों का।

हिमाचल प्रदेश के जितने भी देवस्थान है। वहां पर देवी देवताओं का वास है और स्थानीय लोगों की बीच में श्रद्धा जुड़ी हुई है। देवी देवताओं के पुराने स्थलों को देवस्थान ही रहने देना चाहिए। ना कि उन्हें पर्यटन स्थल बनाना चाहिए। आज हिमाचल प्रदेश में प्राकृतिक आपदा के चलते दर्जनों लोगों की जान चली गई और करोड़ों रुपए की संपत्ति नष्ट हुई। ऐसे में पर्यावरण के साथ की जा रहा छेड़छाड़ भी इसके लिए जिम्मेदार है। राम सिंह ने कहा कि सरकार को एक बार फिर से इस और विचार करना चाहिए। क्योंकि जब भगवान बिजली महादेव ने अपनी वाणी में रोपवे का विरोध किया है और घाटी की जनता भी इसका विरोध कर रही है। तो आखिर किसकी मंशा को पूरी करने के लिए इस रोपवे का निर्माण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर देव वाणी का सम्मान नहीं किया गया तो आने वाले समय में इसके बुरे परिणाम भी जनता को भुगतने होंगे।

विधायक मलेंद्र राजन ने 24 लाख की राशि के चेक किए वितरित

दिव्य दिल्ली : विनय (नूरपुर)

नूरपुर प्रदेश के इंदौरा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मलेंद्र राजन ने आज स्थानीय वन विश्राम गृह में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री राहत कोष,मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना तथा प्रदेश सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को चेक वितरित किए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार समाज के हर वर्ग के लिए संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास कर रही है।इस अवसर पर मुख्यमंत्री शगुन योजना के तहत 14 लाभार्थियों को 4.34 लाख, मुख्यमंत्री सुख आश्रय योजना के अंतर्गत 4 लाभार्थियों को आवास निर्माण के लिए पहली किस्त के रूप में 1-1 लाख रुपये, 3 बेटियों को विवाह हेतु 6 लाख रुपये, 56 बच्चों को पॉकेट मनी के रूप में 4.48 लाख तथा 8 बच्चों को उच्च शिक्षा सहायता के रूप में 1.15 लाख रुपये की राशि वितरित की गई। इसके अतिरिक्त, मुख्यमंत्री राहत कोष से 11 लाभार्थियों को 4 लाख रुपये की चिकित्सा सहायता भी प्रदान की गई।

महिला पत्रकार को न्याय दिलाने सड़कों पर उतरा पहाड़ी संगठन, प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

दिव्य दिल्ली : रोबिन शर्मा (पांवटा साहिब)

महिला पत्रकार प्रीति को न्याय दिलाने और महिलाओं के सम्मान के मुद्दे को लेकर सोमवार को पहाड़ी संगठन द्वारा एक शांतिपूर्ण रैली निकाली गई। रैली लोक निर्माण विश्रामगृह से प्रारंभ होकर एसडीएम कार्यालय तक पहुंची, जहां संगठन के प्रतिनिधियों ने प्रशासन को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में मांग की गई कि जिन दो न्यूज पोर्टलों पर महिला पत्रकार ने गंभीर आरोप लगाए हैं, उन पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। इसके साथ ही पत्रकार प्रीति की सुरक्षा के लिए पुलिस द्वारा महिला सुरक्षाकर्मी की तैनाती की मांग भी की गई है। संगठन ने स्पष्ट चेतावनी दी कि यदि प्रशासन सात दिनों के भीतर कोई ठोस कदम नहीं उठाता, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यह ज्ञापन एसडीएम का कार्यभार संभाल रहे तहसीलदार ऋषभ शर्मा को सौंपा गया। उन्होंने आश्वासन दिया कि मामले को गंभीरता से लिया जाएगा और निष्पक्ष जांच के आधार पर उचित कार्यवाही की जाएगी।वहीं, इस मामले में पत्रकारिता के सिद्धांतों का पालन करते हुए आरोपी पक्ष का पक्ष भी सामने रखा गया है।

एम सी एम डी ए वी पब्लिक स्कूल बागनी नूरपुर डी ए वी क्लस्टर लेवल की खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

दिव्य दिल्ली : विनय महाजन (नूरपुर)

एम.सी.एम. डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल, बाघनी (नूरपुर) में डी.ए.वी. क्लस्टर-3 की खेल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन हुआ। इस आयोजन में अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 आयु वर्ग के लड़कों व लड़कियों के लिए वॉलीबॉल, रोलर स्केटिंग तथा योग जैसी खेल विधाओं में प्रतिस्पधार्एं करवाई गईं।इस प्रतियोगिता में डी.ए.वी. बाघनी (मेजबान) सहित डी.ए.वी. हमीरपुर, नरवाना, कांगू, देहरा, भड़ोली, पालमपुर और धर्मशाला जैसे विद्यालयों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के माननीय उपाध्यक्ष ठाकुर प्रभात सिंह रहे। पर्यवेक्षक के रूप में डी.ए.वी. देहरा के प्रधानाचार्य श्री विश्वास शर्मा जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री एम.आर. राणा के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस सफल आयोजन के माध्यम से विद्यार्थियों में टीम भावना, अनुशासन, सहयोग एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का संचार हुआ। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली विजेता टीमों को ट्राफियां एवं स्मृति चिन्ह भेंट किए गए। अंत में प्रधानाचार्य श्री एम.आर. राणा ने सभी प्रतिभागियों, अध्यापकों एवं आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

राजस्थान की खानों में लोहे से लेकर सोना प्रचुर मात्रा में उपलब्ध: सीएम

जयपुर/एजेंसी

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान खनन क्षेत्र के विकास के लिए पारदर्शी प्रक्रियाओं, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा आधारभूत संरचना के विस्तार के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारा लक्ष्य है कि राजस्थान खनन में अग्रणी केंद्र बने। उन्होंने कहा कि राजस्थान में लोहे से लेकर सोने तक खनिज प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने उद्यमियों से आह्वान किया कि वे प्रदेश में निवेश करें, राज्य सरकार उन्हें हर संभव सहयोग देने के लिए कटिबद्ध है। जी. किशन रेड्डी सोमवार को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में भारतीय खान ब्यूरो द्वारा आयोजित 7 एवं 5 स्टार रेटिंग वाली खदानों के सम्मान समारोह में शिरकत कर रहे थे।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397